



भारत का राजपत्र
The Gazette of India

भाग III—खण्ड 4
PART III—Section 4

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

नई दिल्ली, सोमवार, अगस्त 22, 1988/भाषण 31, 1910

No. 34] NEW DELHI, MONDAY, AUGUST 22, 1988/SRAVANA 31, 1910

इस भाग में भिन्न-भिन्न संख्या की जाती है जिससे कि यह अलग संकलन को हमें
 देखा जा सके

Separate Paving is given to this Part in order that it may be filed as a
separate compilation

(वि इन्स्टीट्यूट आफ कंपनी सेक्रेटरीज आफ इंडिया)

तृपती मन्त्रिण अधिनियम, 1980 के अधीन गठित)

कंपनी सचिव (संशोधन) विभाग 1988

(अगस्त १९८८ का आई.सी.एस.आई. सं. १)

अधिनूचना

गई दिवशी, २२ अगस्त, १९४८

सं. 710(2)(एम). (2).—यतः कंपनी सचिव अधिनियम, 1980 (1980 या 56) की धारा 34 की उपधारा (3) के अन्वये तथा अपेक्षित कंपनी सचिव विनियम, 1982 को लागू लागू करने के लिए कुछ प्रारूप विनियम 1 अक्टूबर, 1987 को दि. इस्वीयूयूट आक कंपनी सेक्रेटरीज आक इंडिया की अधिसूचना के रूप में भारत के गणपति प्रशासन भाग 3, खण्ड 4, तारीख 20-10-1987 के पृष्ठ सं. 1 से 27 तक प्रकाशित किए गए थे और उन सभी व्यक्तियों से, जिनके अपने प्रभावित होने की संभावना थी उक्त अधिसूचना के प्रकाशन की तारीख से तैयारी के दिनों के भीतर उक्त प्रारूप की बात प्रत्येक और सुझाव प्रार्थना किए गए थे, तथा उक्त अधिसूचना की प्रतियां प्रतियां की 20 नवम्बर, 1987 को उपलब्ध करा दी गई थी।

यतः उक्त प्राक्प विनियमों की बाबत जनता से प्राप्त प्रतिक्रियाओं और सुझावों पर परियोजना और केंद्रीय सरकार ने विचार कर लिया है ।

प्रतः प्रब. परिषद कंपनी सचिव अधिनियम, 1980 (1980 का 56) की धारा 39 की उपधारा (3) के साथ पठित उपधारा (1) द्वारा प्रवृत्त शक्तियों का प्रयोग करने का तथा केन्द्रीय सरकार के अनुमोदन से, कंपनी सचिव अधिनियम, 1982 में विनियोजित संशोधन करती है यथा:—

1. (1) ये विनियम कंपनी सचिव (संशोधन) विनियम, 1988
कहे जाएंगे।

(2) इन विनियमों में जैसा उपबंधित है उसके सिवाय, ये विनियम भारत के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से प्रवृत्त होंगे।

2. सम्पत्ती नष्टि विनियम, 1982 (जिम्हें एतल पञ्चात् उक्त विनियम कहा गथा है) यथा के विनियम 3 को, निम्नविधिया द्वारा प्रतिस्थापित किया जायेगा :

३. रजिस्टर

"हंस्टींग्स के सदस्यों का रजिस्टर अनुसूची 'क' में उपबन्धित प्रोफार्मा में रखा जाएगा एवं प्रत्येक सदस्य द्वारा उसके आवश्यक

पैसे में होते बाले परिवर्तन को, इस परिवर्तन के एक माह के अन्दर-अन्दर इन्स्टीट्यूट को इतिवृत्त करना होगा।"

3. उक्त विनियमों के विनियम 32 के उपविनियमों (2) में पत्रिका शब्द को पञ्च नू निम्नलिखित शब्दों का समायोजन किया जाएगा यथा :

"प्रथम स्टैंडर्ड कम्पनी मैकेटिंग छात्रों के लिए प्रकाशित एक मासिक पत्रिका।"

4. उक्त विनियमों के विनियम 41(क) के उप विनियम (3) के खंड (ख) का उपबंध निम्नलिखित द्वारा प्रतिस्थापित किया जाएगा, यथा :—
"परन्तु यदि कोई प्रत्याशी जो एक समूह के विषयों में प्रविष्ट हुआ है, जिनमें नामांकन प्रवेशित या और किसी विषय (विषयों) में माठ प्रतिशत या उससे अधिक अंक और समूह के प्रत्येक अन्य विषय में न्यूनतम पञ्च प्रतिशत अंक प्राप्त किए हैं, किन्तु समूह में अनुत्तीर्ण हो गया है, जिन परीक्षा में प्रवेश लेना चाहता है, उसके नामांकन की अंतिम तिथि के पूर्व इस विषय में प्रार्थना पत्र देने पर उस विषय (विषयों) में जिसमें उसे माठ प्रतिशत से अधिक अंक प्राप्त हुए हैं उत्तरवर्ती परीक्षाओं में मुक्त कर दिया जाएगा।"

पुनश्च, परन्तु उपयुक्त किसी बात के बावजूद, कोई प्रत्याशी जो किसी समूह जिसके लिए वह नामांकित है, के सभी विषयों में बिना कोई छूट किए, प्रविष्ट होता है और उस समूह के किसी एक प्रश्न पत्र में अनुत्तीर्ण हो जाता है किन्तु उस समूह के अन्य विषयों के योग का माठ प्रतिशत न्यूनतम अंक प्राप्त करता है, उस समूह में उत्तीर्ण घोषित किया जाएगा, यदि वह तुरन्त बाद की तीन अनुवर्ती परीक्षाओं में किसी एक या अधिक में पुनः प्रविष्ट होकर उस प्रश्न पत्र में वांछित प्रतिशत अंक प्राप्त कर लेता है।

व्याख्या

प्रथम परन्तुक के अन्वयगत माठ प्रतिशत या अधिक अंक प्राप्त करने के आधार पर जिन विषयों में किसी प्रत्याशी को छूट मिली है, उसके अंकों को उत्तरवर्ती परीक्षा (परीक्षाओं) में उस समूह के शेष विषय (विषयों) के परिणाम के लिए संगठित नहीं किया जाएगा।"

5. उक्त विनियमों के विनियम 44-क के उप-विनियम (3) के खंड (ग) का परन्तुक निम्नलिखित द्वारा प्रतिस्थापित किया जाएगा :—

"परन्तु यदि कोई प्रत्याशी जो एक समूह के विषयों में प्रविष्ट हुआ है जिनमें नामांकन प्रवेशित या और किसी विषय (विषयों) में माठ प्रतिशत या उससे अधिक अंक और समूह के प्रत्येक अन्य विषय में न्यूनतम पञ्च प्रतिशत अंक प्राप्त किए हैं, किन्तु समूह में अनुत्तीर्ण हो गया है, जिन परीक्षा में प्रवेश लेना चाहता है, उसके नामांकन की अंतिम तिथि के पूर्व इस विषय में प्रार्थना पत्र देने पर उस विषय (विषयों) में, जिसमें उसे माठ प्रतिशत से अधिक अंक प्राप्त हुए हैं, उत्तरवर्ती परीक्षाओं में मुक्त कर दिया जाएगा।"

पुनश्च, परन्तु यह उपयुक्त किसी बात के बावजूद, कोई प्रत्याशी जो किसी समूह, जिसके लिए वह नामांकित है, के सभी विषयों में बिना

कोई छूट किए प्रविष्ट होता है और उस समूह के किसी एक प्रश्न पत्र में अनुत्तीर्ण हो जाता है किन्तु उस समूह के अन्य विषयों के योग का माठ प्रतिशत न्यूनतम अंक प्राप्त करता है, उस समूह में उत्तीर्ण घोषित किया जाएगा, यदि वह तुरन्त बाद की तीन अनुवर्ती परीक्षाओं में किसी एक या अधिक में पुनः प्रविष्ट होकर उस प्रश्न पत्र में वांछित प्रतिशत अंक प्राप्त कर लेता है।

व्याख्या

प्रथम परन्तुक के अन्वयगत माठ प्रतिशत या अधिक अंक प्राप्त करने के आधार पर जिन विषयों में किसी प्रत्याशी को छूट मिली है, उसके अंकों को उत्तरवर्ती परीक्षा (परीक्षाओं) में उस समूह के शेष विषय (विषयों) के परिणाम के लिए संगठित नहीं किया जाएगा।"

6. उक्त विनियमों के विनियम 46 के पश्चात्, किन्तु अध्याय 7 के पहले निम्नलिखित विनियम अंतर्स्थापित किया जाएगा, यथा :—

"46-क. किसी परीक्षा में छूट का पुनः प्रवर्तन

यदि कोई प्रत्याशी प्रार्थना करता है और किसी समूह की परीक्षा में उत्तीर्ण होने के कारण किसी विनियम के अन्वयगत छूट का निरन्तरिकरण स्वीकृत हो जाता है, वह दोबारा उस छूट के पुनः प्रवर्तन का या इस प्रकार के किसी समूह (समूहों) को उत्तीर्ण करने के किसी छूट या लाभ का किसी भी अवस्था में किसी उत्तरवर्ती परीक्षा (ओं) में पात्र नहीं होगा।"

7. उक्त विनियमों के विनियम 58 के उपविनियम (2) को निम्न-लिखित द्वारा प्रतिस्थापित किया जाएगा :—

"(2) परिषद का निवर्चित सदस्य, धारा 13 और धारा 14 के उपबंधों के अन्वयगत रहते हुए तीन वर्ष की अवधि तक पद धारण करेगा और उसके द्वारा एक क्षेत्रीय निर्वाचित क्षेत्र में दूसरे में अपने व्यावसायिक पते का परिवर्तन करने से, परिषद की सदस्यता को रिकत नहीं करना पड़ेगा।"

8. उक्त विनियमों के विनियम 67 के उपविनियम (1) में "माठ दिन" के स्थान पर "दस दिन" प्रतिस्थापित किया जाएगा।

9. उक्त विनियमों का अध्याय 6 निम्नलिखित द्वारा प्रतिस्थापित किया जाएगा।

अध्याय 9

चुनाव

विनियम 69 चुनाव की तिथियां

वर्तमान परिषद की अवधि के समाप्त होने की तिथि से कम से कम नब्बे दिन पूर्व परिषद पत्रिका में परिषद के सदस्यों के चुनाव के निम्न-लिखित प्रश्नों की तिथियां अधिसूचित करेगी, यथा

क--नामांकन प्राप्ति की अंतिम तिथि तथा समय

ख--नामांकन पत्रों की जांच की तिथि

ग--नामांकन वापस लेने की अंतिम तिथि

ब--मतदान की तिथि या तिथियों

क--विनियम 84 के अधीन डाक द्वारा मत देने की अनुमति प्राप्त करने के लिए आवेदन पत्र की प्राप्ति की अंतिम तिथि ;

ख--डाक द्वारा मत पत्र प्राप्त करने की अंतिम तिथि, तथा

(घ) चुनाव संपन्न कराने की अन्य कोई तिथि (या)

60. चुनाव समिति

एक चुनाव समिति, जिसमें अध्यक्ष, उपाध्यक्ष तथा परिषद में सरकार द्वारा नामित एक व्यक्ति, जो केन्द्रीय सरकार द्वारा नामित किया जाएगा, होंगे, इस अध्याय तथा अध्याय 12 में वर्णित विनियमों के अनुरूप परिषद के तथा क्षेत्रीय परिषदों की चुनाव प्रक्रिया का पर्यवेक्षण करेंगी ;

परन्तु जहां तक अध्यक्ष अथवा उपाध्यक्ष, जैसा मामला हो चुनाव का प्रत्याशी हो अध्यक्ष अथवा उपाध्यक्ष या दोनों, जैसा मामला हो, उसके सदस्य बन रहने के पास नहीं होंगे और परिणामों रचित, परिषद द्वारा पूर्व अनुमोदित सूची से उसमें दो गद्दे बरीयता के आधार पर सचिव द्वारा एक या दो, जैसा मामला हो, ऐसे व्यक्ति जो चुनाव नहीं लड़ रहे हो, नामित करके भरी जाएगी।

61. निर्वाचन अधिकारी

इन विनियमों के अनुरूप निर्वाचन संपन्न कराने के लिए सचिव, निर्वाचन अधिकारी होगा।

62. मतदान के लिए पात्र सदस्य

1. इन विनियमों के अन्य प्रावधानों के अधीन कोई व्यक्ति जिसका नाम रजिस्टर में जिस वर्ष चुनाव होता है, उसकी पहली जुलाई को अंकित है, चुनाव में उस क्षेत्रीय निर्वाचन क्षेत्र से जिसके क्षेत्रीय अधिकार में उसका व्यावसायिक कार्यक्षेत्र उस तिथि तक है, मत देने का पात्र है, यदि उसका नाम रजिस्टर से उस तिथि से चुनाव की तिथि तक हटाया नहीं गया हो ;

किन्तु यदि निर्धारित तिथि को कोई व्यावसायिक पता नहीं अंकित है, तब रजिस्टर में दर्ज उसका आवासीय पता उसके निर्वाचन क्षेत्र को निर्धारित करेगा।

2. उन सदस्यों के संबंध में जो मत देने के पात्र हैं तथा जिनका व्यावसायिक पता भारत से बाहर है, उनका निर्वाचन क्षेत्र, भारत से बाहर जाने के तुरन्त पूर्व भारत के उनके व्यावसायिक पते या भारत में उनके निर्धारित तिथि को रजिस्टर में दर्ज भारत के उनके आवासीय पते, जो भी पहले के हों, के आधार पर निर्धारित किया जाएगा

63. मतदाताओं की सूची

वर्तमान परिषद की अवधि के समाप्त होने की तिथि के कम से कम नब्बे दिन पूर्व, निर्वाचन अधिकारी प्रत्येक निर्वाचन क्षेत्र में इस्टीमेटेड आक कम्पनी लैक्टरीज आक इंडिया के मतदान के पास सदस्यों की सूची बनावेगा जिससे स्पष्ट रूप से तथा अलग-अलग स्पष्ट किया जाएगा :

(क) कि क्या कोई सदस्य एसोसिएट सदस्य है या फौजो सदस्य ;

(ख) मतदाता किस मतदान क्षेत्र से संबंध है और कहां अपने मतदाताधिकार का प्रयोग कर सकता है, यदि निर्वाचन अधिकारी निर्णय करता है कि उसे मतदान क्षेत्र में मतदाताधिकार का प्रयोग करना होगा न कि डाक द्वारा ;

(ग) मतदान क्षेत्र की स्थिति और क्षेत्र जिसके लिए प्रत्येक मतदान क्षेत्र चुना गया है ; तथा

(घ) विनियम 84 के अन्तर्गत क्या कोई सदस्य डाक द्वारा मतदान का अधिकारी है।

2. इन विनियमों के अन्य प्रावधानों के अधीन, सदस्यों की सूची में दिया गया पता, सदस्य किस तरह मतदान करेगा, या उसका निर्वाचन या उसका मतदान क्षेत्र जहां वह मतदान कर सकता है, या निर्धारण करने के लिए अंतिम होगा :

किन्तु यदि किसी शहर में जहां कई मतदान क्षेत्र हैं, कोई मतदाता जो किसी विशेष मतदान क्षेत्र से सम्बंध है ऐसा समझता है कि उस मतदान क्षेत्र में जिससे वह संबंध है उसे कठिनाई होगी, उसे निर्वाचन अधिकारी के अधिकारानुसार उसी शहर के दूसरे मतदान क्षेत्र पर मतदान करने की अनुमति दी जा सकती है। इन बारे में कारण सहित लिखित प्रार्थना निर्वाचन अधिकारी को पास निर्वाचन की तिथि के 45 दिन पूर्व पहुंच जाना चाहिए।

64. निर्वाचन में खड़े होने के पास सदस्य

विनियम 58 के उप-विनियम (3) के प्रावधान के अध्याधीन रहते हुए कोई सदस्य जिसका नाम, जिस वर्ष चुनाव होता है उस वर्ष पहली जुलाई को रजिस्टर में फौजो के रूप में दर्ज हो और चुनाव परिणाम घोषित होने की तिथि तक बने रहें, जिस क्षेत्रीय चुनाव क्षेत्र में उसका व्यावसायिक पता, मतदाता के रूप में सम्मिलित हो उस क्षेत्र से परिषद के चुनाव के लिए खड़ा हो सकता है। यद्यपि कि कोई भी सदस्य एक ही समय में परिषद तथा क्षेत्रीय परिषद के चुनाव के लिए प्रत्याशी के रूप में खड़ा होने के लिए पात्र नहीं होगा।

व्याख्या-- इस अध्याय के लिए यदि संदर्भ द्वारा अन्वेषण न अपेक्षित हो, प्रत्याशी का तात्पर्य उन व्यक्ति से होगा जो इन विनियमों के अन्तर्गत परिषद के चुनाव के लिए नामांकन का पात्र हैं तथा जिनमें नामांकन भर दिया है और जिसका नाम चुनाव घोषित होने की तिथि तक रजिस्टर में रहता है।

65. नामांकन

1. परिणाम घोषित होने की तारीख से कम से कम पच्चीस दिन पूर्व परिषद प्रत्येक क्षेत्रीय निर्वाचन क्षेत्र से चने जाने वाले सदस्यों की संख्या अधिसूचित करेगी और प्रत्येक क्षेत्रीय निर्वाचन क्षेत्र के चुनाव के लिए एक निर्धारित तिथि तक जो अधिसूचना जारी होने से चौदह दिन से कम नहीं होगी, नामांकन आमंत्रित करेगी।

2. प्रत्याशी का नामांकन उचित कार्य में प्रत्याशी द्वारा एक प्रस्तावक द्वारा तथा एक समर्थक द्वारा हस्ताक्षरित होना चाहिए, जो सभी मतदान के लिए पात्र हों तथा निर्वाचन अधिकारी को इस तरह भेजा जाना चाहिए कि नामांकन की प्राप्ति के लिए निर्धारित अंतिम तिथि के पश्चात प्राप्त न हो।

3. नामांकन के साथ प्रत्याशी के बारे में उसके द्वारा हस्ताक्षरित तथा पुष्टीकृत निम्नलिखित सूचना समेत एक दस्तावेज भी होना चाहिए:

(क) नाम, सदस्य संख्या और व्यावसायिक पता ;

(ख) आयु ;

(ग) औद्योगिक एवं व्यावसायिक योग्यता ;

(विश्वविद्यालय, किसी किसी विश्वविद्यालय द्वारा प्रदत्त स्नातक उत्तर डिप्लोमा, परिषद द्वारा मान्यताप्राप्त व्यावसायिक संस्थाओं की सदस्यता

4. उप-विनियम (3) में लिखित बस्तव्य में प्रत्याशी द्वारा स्वेच्छा से निम्नलिखित सूचना भी दी जा सकती है, यथा :

- (क) मैरिट एवार्ड (योग्यता पुरस्कार) (विश्वविद्यालय की डिग्री/ डिप्लोमा परीक्षाओं में, विधित्त कम्पनी या इस्टीमेटेड आफ कम्पनी सेक्रेटरीज आफ इंडिया द्वारा आयोजित परीक्षाएं और अन्य संस्थान द्वारा आयोजित परीक्षाएं जो परिषद द्वारा इस आशय के लिए मान्यता प्राप्त हो)
- (ख) वर्तमान व्यवसाय का विवरण :
 - (i) नौकरी (नियोजक का नाम तथा प्रत्याशी को नियोजक द्वारा दिये गये पद नाम सहित) रूप में व्यवसाय;
 - (ii) कम्पनी सेक्रेटरी के प्रैक्टिस (पूर्ण स्वामित्व या साझेदारी, कर्म के नाम के साथ);
 - (iii) अन्य कोई मुख्य व्यवसाय (यदि प्रत्याशी नौकरी या कम्पनी सेक्रेटरी के रूप में प्रैक्टिस (व्यवसाय) में न हो तो सभी दिया जाता चाहिए)।
- (ग) अन्य विवरण :
 - (i) परिवार, क्षेत्रीय परिवार तथा चैप्टरों की प्रबन्ध समितियों की भूतपूर्व एवं वर्तमान सदस्यता, परिवार के अध्यक्ष, उपाध्यक्ष एवं क्षेत्रीय परिवार या चैप्टरों के अध्यक्ष, उपाध्यक्ष, सचिव या कोषाध्यक्ष;
 - (ii) परिवार, क्षेत्रीय परिवार तथा चैप्टरों द्वारा आयोजित व्यावसायिक गोष्ठियों या सम्मेलनों में योगदान;
 - (iii) निगम या व्यापार प्रबंध से सीधे संबंधित तथा कम्पनी सचिव की अभिरूचि के विषयों पर पुस्तक या लेखों का लेखन;
 - (iv) विश्वविद्यालय तथा परिवार द्वारा मान्यताप्राप्त व्यावसायिक संस्थानों में शैक्षिक पदों पर नियुक्ति।

5. प्रत्याशी स्वेच्छा से अपनी पासपोर्ट आकार की नई फोटो भी भेज सकते हैं।

66. नामांकन शुल्क

चुनाव में खड़ा हुआ प्रत्येक प्रत्याशी, नामांकन पत्र के साथ मुख्यालय में अधिकतम एक हजार रुपए तक नामांकन शुल्क, जैसा कि परिवार द्वारा प्रत्येक चुनाव के पूर्व विनियम 59 के अंतर्गत चुनाव की तिथियों की अधिसूचना के साथ अधिसूचित किया जाएगा, नकद या डिमांड ड्राफ्ट द्वारा जमा करेगा जो कि किसी भी अवस्था में केवल विनियम के उप-विनियम (11) के अंतर्गत नामांकन के निरस्तीकरण की अवस्था को छोड़कर वापस नहीं किया जाएगा।

67. नामांकनों की जाँच

1. प्रत्येक चुनाव में परिवार सभी प्रत्याशियों के नामांकनों की जाँच के लिए एक पैनल बनायेगी।

2. पैनल में तीन व्यक्ति होंगे जिनमें से एक संस्थान का सचिव होगा तथा अन्य दो व्यक्ति अधिनियम की धारा 9 की उप-धारा (2) खण्ड (ख) में वर्णित परिवार के सदस्यों में से परिवार द्वारा नामित किए जायेंगे, जो केन्द्रीय सरकार के अधिकारी होंगे, किन्तु यदि उनमें से एक या अधिक सदस्य उपलब्ध या काम करने के इच्छुक नहीं है तब अन्य व्यक्ति परिवार के निर्णय तथा अधिमाय्यता के अनुसार नामित होंगे।

3. परिवार द्वारा नियुक्त पैनल के सदस्यों का नाम बते हुए एक अधिसूचना, जिस में चुनाव के लिए पैनल बनाया गया है, उसके नामांकन की अंतिम तिथि के पूर्व सामान्यतया सभी सदस्यों को जारी किया जाएगा।

4. पैनल की अवधि, जिस चुनाव के लिए पैनल बनाया गया है उसके संपन्न होने पर समाप्त हो जाएगी।

5. पैनल को अपनी क्रियाविधि की जिस तरह वह उचित और व्यापकतः समझे नियमित करने का अधिकार होगा।

6. अपने कार्य सम्पादन के लिए पैनल की गणपूर्ति की संख्या देनी होगी।

7. पैनल के निर्णय सामान्यतया सर्वप्रथम होंगे। निर्णय में असहमति की अवस्था में अंतिम निर्णय पठित पैनल के सदस्यों के बहुमत के आधार पर होगा।

8. किसी कारण में एक या अधिक सदस्यों के काम करने में असमर्थता के कारण तुरंत रिक्ति को सचिव परिवार द्वारा पूर्ण स्वीकृत व्यक्तियों की सूची से अधिमाय्यता के आधार पर भरेगा।

9. पैनल इस कार्य के लिए नियत तिथि को सभी प्रत्याशियों के नामांकन पत्रों की जाँच करेगा और प्रत्येक नामांकन पत्र पर अपने निर्णय "नामांकन स्वीकृत है या अस्वीकृत" अंकित करेगा इस जाँच के समय पैनल प्रत्येक प्रत्याशी या उसके प्राधिकृत प्रतिनिधि को यदि वह चाहे तो उपस्थित रहने की अनुमति देगा।

10. पैनल यदि किसी नामांकन को अस्वीकृत करता है तो उसके कारणों को एक संक्षिप्त विवरण में उल्लिखित करेगा।

11. यदि निम्नलिखित कारणों से पैनल संतुष्ट है तो वह नामांकन को अस्वीकृत कर देगा :

(क) विनियम 64 के अंतर्गत प्रत्याशी चुनाव में खड़ा होने का पात्र नहीं था या उसने परिवार और क्षेत्रीय परिवार दोनों के लिये विनियम 64 के विच्छेद चुनाव का नामांकन पत्र, भरा ;

(ख) विनियम 65 के उपविनियम (2) के अंतर्गत प्रस्तावक या उसके समर्थक प्रत्याशी का प्रस्ताव करने के योग्य नहीं थे ;

(ग) प्रत्याशी या प्रस्तावक या समर्थक के हस्ताक्षर वास्तविक नहीं हैं या जबरजस्ती या धोखे से प्राप्त किये गये हैं ;

(घ) विनियम 65 तथा 66 का निम्नलिखित रूप में पालन नहीं किया गया :—

(i) नामांकन उपयुक्त काम में नहीं था ;

(ii) विनियम 66 के प्रावधान के अनुसार नामांकन शुल्क नहीं दिया गया ;

(iii) नामांकन काम प्रत्याशी, प्रस्तावक या समर्थक द्वारा हस्ताक्षरित नहीं था ;

(iv) नामांकन के साथ विनियम 65 के उपविनियम (3) में विनिर्दिष्ट विवरण समुचित रूप से पूर्ण तथा सत्यापित किया हुआ नहीं दिया गया था ;

(v) नामांकन प्राप्त करने की अंतिम तिथि तथा समय तक इस्टीमेटेड में नहीं दिया गया।

व्याख्या 1

यदि विनियम 59 के खंड (क) के अंतर्गत नामांकन प्राप्त करने के लिये निश्चित की गई अंतिम तिथि को, बाद में इस्टीमेटेड आफ कम्पनी सेक्रेटरीज आफ इंडिया द्वारा या स्थानीय पोस्ट आफिस द्वारा पंजीकृत डाक देने के लिये अवकाश घोषित कर दिया जाता है तो नामांकन प्राप्त करने की अंतिम तिथि का तात्पर्य यथा प्रकरण इस्टीमेटेड या स्थानीय पोस्ट आफिस में दुरन्त डाक का काम का बिबस होगा।

व्याख्या 2

चैन, किसी नामांकन पत्र को किसी तकनीकी त्रुटि के आधार पर जो कि महत्वपूर्ण नहीं है, अस्वीकार नहीं भी कर सकता है।

व्याख्या 3

किसी प्रत्याशी को नामांकन का किसी अनियमितता के आधार पर अस्वीकृति के कारण उसी प्रत्याशी का दूसरा नामांकन जो वैध है अस्वीकृत नहीं किया जा सकता।

व्याख्या 4

यदि कोई प्रस्तावक या समर्थक, अधिनियम या इन विनियमों के प्रभाव से नामांकन के लिये नियत अंतिम तिथि के पश्चात् कोई प्रयोग्यता प्राप्त कर लेते हैं, तब भी नामांकन अवैध नहीं होगा।

12. जहाँ किसी प्रत्याशी का नामांकन अस्वीकृत कर दिया गया है, निर्वाचन अधिकारी चैनल के निर्णय की सूचना, उसके कारणों के विवरण के साथ प्रत्याशी को नामांकन प्राप्त के लिये अंतिम तिथि के 7 दिनों के अन्दर डाक से देगा।

68. वैध नामांकनों की सूची बनाना

1. नामांकनों की जाँच समाप्त हो जाने के पश्चात् निर्वाचन अधिकारी प्रत्येक क्षेत्रीय निर्वाचन क्षेत्र के बारे में प्राप्त वैध नामांकनों की सूची तैयार करेगा तथा नामांकन प्राप्त करने की अंतिम तिथि के 7 दिन के अंदर सूची की एक प्रति निर्वाचन क्षेत्र के प्रत्येक प्रत्याशी को पंजीकृत डाक से भिजवायेगा।

2. प्रत्येक क्षेत्रीय निर्वाचन क्षेत्र की सूची में प्रत्याशी का वर्णानुक्रम में नाम तथा व्यवसायिक पता होगा और यदि किसी प्रत्याशी का व्यवसायिक पता निश्चित तिथि को रजिस्टर में दर्ज नहीं है तो उसके नियत तिथि को रजिस्टर में अंकित निवास का पता दिया जायेगा।

69. नामांकनों की वापसी

1. विनियम 68 के उप विनियम (1) के अन्तर्गत भेजे गये वैध नामांकन की सूची प्राप्त होने के पश्चात् कोई प्रत्याशी निर्वाचन अधिकारी को नामांकनों की वापसी के लिये निर्धारित अंतिम तिथि को या उससे पहले लिखित तथा हस्ताक्षरित सूचना देकर नामांकन वापस ले सकता है, यह अंतिम तिथि विनियम 68 के उप विनियम (1) के अन्तर्गत जारी सूचना की अनुवर्ती तिथि से 10 दिन से पहले नहीं होगी।

2. जो प्रत्याशी नाम वापस ले लेता है वह वापसी को निरस्त करने का अधिकारी नहीं होगा।

70. प्रत्याशियों तथा मतदाताओं को नामांकनों की अंतिम सूची

(1) निर्वाचन अधिकारी इन प्रत्याशियों का नाम वैध नामांकनों की सूची से निकाल देगा जिन्होंने अपने नाम वापस ले लिये हैं तथा प्रत्येक निर्वाचन क्षेत्र से चुनाव लड़ रहे प्रत्याशियों की अंतिम सूची (एतद्वारा "चुनाव लड़ रहे प्रत्याशी" के रूप में संबोधित) निर्वाचन क्षेत्र के प्रत्येक प्रत्याशियों को पंजीकृत डाक से तथा मतदाताओं को अभिलिखित परिधान द्वारा भेजेगा।

(2) इस सूची के साथ उस क्षेत्र के सभी चुनाव लड़ रहे प्रत्याशियों का ऐसा विवरण जो उनके द्वारा विनियम 65 के उप विनियम (3), (4) तथा (5) के अन्तर्गत प्रत्याशियों द्वारा दिये गये विवरण से संकलित किया जायेगा, भी भेजा जायेगा।

(3) निर्वाचन अधिकारी इसके उपविनियम (2) के अन्तर्गत सूची के साथ लगाये जाने वाले विवरण को बसाने में:

(क) प्रत्याशियों द्वारा विनियम 65 के उपविनियम (3) (4) (5) के अन्तर्गत दी गई सूचना का उपयोग करेगा;

(ख) जहाँ तक प्रत्याशियों द्वारा दी गई सूचना विनियम 65 के उप विनियम (2) (3) (4) तथा (5) द्वारा बांछित सूचना के अनुरूप है वहीं तक उसका उपयोग करेगा; इसके प्रतिरूपित विवरण में दी गई अथवा न दी गई किसी भी सूचना का समावेश नहीं करेगा; और

(ग) कोई स्पष्ट त्रुटि जो उसकी दृष्टि में आती है, ठीक करेगा।

(4) नामांकन की अंतिम सूची के साथ लगने वाले विवरण में यह स्पष्ट रूप से इंगित होना चाहिए कि यह सूचना प्रत्याशियों द्वारा विनियम 65 के उप विनियम (2) (3) (4) और (5) के अन्तर्गत प्राप्त सूचना से संकलित तथा प्रस्तुत किया गया है और उसकी सत्यता के बारे में निर्वाचन अधिकारी की कोई जिम्मेदारी नहीं है।

71. किसी प्रत्याशी की मृत्यु या नपस्यता समाप्ति

यदि चुनाव लड़ रहे प्रत्याशी की मृत्यु चुनाव परिणाम घोषित होने से पहले हो जाती है अथवा अन्य किसी कारण से उसकी सपस्यता समाप्त हो जाती है, तो उस क्षेत्रीय निर्वाचन क्षेत्र का चुनाव वहाँ के अन्य प्रत्याशियों के बीच कराया जायेगा तथा उस निर्वाचन क्षेत्र के चुनाव के बारे में कोई नई प्रक्रिया प्रारम्भ नहीं की जायेगी।

72. प्रत्याशियों का निर्वाचित माना जाना—यदि उनकी संख्या निर्वाचित होने वाले सदस्यों की संख्या के बराबर है/या उससे कम है

1. जहाँ किसी क्षेत्रीय निर्वाचन क्षेत्र से चुनाव लड़ रहे प्रत्याशियों की संख्या उस निर्वाचन क्षेत्र से चुने जाने वाले सदस्यों की संख्या के बराबर या उससे कम है या जहाँ किसी निर्वाचन क्षेत्र में इस प्रकार के प्रत्याशियों की संख्या चुनाव परिणाम घोषित होने से पूर्व किसी एक या अधिक प्रत्याशी की मृत्यु या नपस्यता समाप्ति के कारण वहाँ से निर्वाचित होने वाले सदस्यों की संख्या के बराबर रह जाती है, तो बीच प्रत्याशी वहाँ से चुने गये मान लिये जायेंगे तथा निर्वाचन अधिकारी इस प्रकार के सभी प्रत्याशियों को विधिवत निर्वाचित घोषित करेगा।

2. जहाँ किसी निर्वाचन क्षेत्र से उप विनियम (1) के अन्तर्गत चुने गये प्रत्याशियों की संख्या वहाँ से निर्वाचित होने वाले सदस्यों की संख्या से कम हो, परिपद निर्वाचन के पश्चात् की अपनी पहली बैठक में या उसके उपरान्त उस निर्वाचन क्षेत्र से कौनों सदस्यों का एक चैनल अधिनियम की धारा 11 के अन्तर्गत क्षेत्रीय सरकार द्वारा नामांकन के लिये प्रस्तुत कर सकती है।

73. निर्वाचन की पद्धति तथा मतदान का तरीका

1. परिषद के चुनाव आनुपातिक प्रतिनिधित्व की प्रणाली के अनुसार एकल संक्रमणीय मत द्वारा होगा।

2. जैसा अध्याय उपबंधित है, उसके अतिरिक्त प्रत्येक चुनाव में जहाँ मतदान कराया जाता है मत मूल मतदान द्वारा दिये जायेंगे तथा प्रत्येक मतदाता अपना मत, इसके लिये बनाए गए केन्द्रों में स्वयं देगा, जब तक कि किसी मतदाता को डाक द्वारा मतदान के लिये जैसा कि इसके भागे प्रावधान किया गया है, अनुमति न दी गई हो।

74. मतदान केन्द्र

प्रत्येक चुनाव में मतदान केन्द्र स्थापित करने के लिए मतदाताओं को अनेकित संख्या परिपद निर्धारित करेगी और निर्वाचन अधिकारी उतने

मतदान केन्द्र स्थापित करेगा, जितने मतदान के पात्र सदस्यों की सूची में दिए गए व्यावसायिक पते के अनुसार ये मतदान केन्द्र 16 कि. मी. के घेरे में हों।

75. मतदान अधिकारी

निर्वाचन अधिकारी प्रत्येक मतदान केन्द्र के लिए एक मतदान अधिकारी नियुक्त करेगा जो सश्रेय राजकीय कर्मचारी होगा चाहिए और जितने आवश्यक समझता हो उतने अन्य लोगों को मतदान अधिकारी की सहायता के लिए नियुक्त कर सकता है। मतदान अधिकारी इन विनियमों द्वारा लागू अन्य कर्तव्यों के अतिरिक्त मतदान केन्द्र पर व्यवस्था का सामान्य प्रभारी होगा और किस तरह लोगों को मतदान केन्द्र में प्रवेश करने दिया जाए और केन्द्र में तथा केन्द्र के आसपास शांति तथा व्यवस्था बनाए रखी जाय, इसके बारे में आदेश दे सकता है।

76. गुप्त खंभर तथा मतपत्र

प्रत्येक मतदान केन्द्र में एक गुप्त खंभर होगा और यह खंभर इस प्रकार व्यवस्थित होगा कि कोई मतदाता किस प्रकार मतदान करता है, यह कोई अन्य व्यक्ति न देख सके।

77. मतदाताओं की पहचान

(1) मतदाता होने के बावजूद प्रत्येक व्यक्ति को निर्वाचन अधिकारी द्वारा दी गई मतदाताओं की सूची की एक प्रति पर अपने नाम के आगे हस्ताक्षर करने होंगे तथा वह हस्ताक्षर निर्वाचन अधिकारी द्वारा दिए गए हस्ताक्षरों से मतदान अधिकारी द्वारा मिलाए जाएंगे।

(2) मतदान अधिकारी मतपत्र दिए जाने से पूर्व किसी भी समय मत दाता होने का दावा करने वाले किसी भी व्यक्ति के बारे में स्वेच्छा से यदि उसे उसकी पहचान के बारे में या मतदान केन्द्र पर उसके मतदान करने के बारे में कोई संदेह है या उनके नमूने के हस्ताक्षर उपलब्ध नहीं हैं तथा किसी प्रत्यासी या उसके अधिकृत प्रतिनिधि के चाहने पर आवश्यक रूप से, जिस तरह से वह आवश्यक समझता हो उसकी पहचान के बारे में अपने आपको संतुष्ट करेगा।

(3) यद्यपि मतदान अधिकारी मतदाता का दावा करने वाले व्यक्ति की पहचान के बारे में संतुष्ट नहीं है फिर भी वह मतपत्र दे सकता है। किन्तु इस मतपत्र को मतपेटो में डालने के बजाय वह उसे एक अलग सीलबन्ध लिफाफे में रखेगा जिस पर दिया हुआ मतपत्र लिखा होगा और उसे वह उपर्युक्त व्यक्ति से इस सम्बन्ध में एक पत्र प्राप्त करके उसे अपनी टिप्पणी सहित, निर्वाचन अधिकारी को भेजेगा, जिसके सम्बन्ध में निर्वाचन अधिकारी का निर्णय अंतिम और निश्चयात्मक होगा।

(4) इस विनियम के अन्तर्गत किसी व्यक्ति के मतपत्र प्राप्त करने के अधिकार पर निर्णय लेते समय, किसी मतदान केन्द्र पर नियुक्त मतदान अधिकारी मतदाताओं की सूची में किसी प्रविष्टि पर इस प्रकार व्याख्या कर सकता है कि साधारण लिपिकीय त्रुटि की भूल भूक को तजर्र समझा लिया जाए, यदि वह इस बात से संतुष्ट है कि कोई व्यक्ति वास्तव में वही मतदाता है जिसके सम्बन्ध में वह प्रविष्टि है।

78. मतदान अधिकारी द्वारा अपने पास रखने वाले अधिलेख

मतदाता को मतपत्र देते समय मतदान अधिकारी मतदान के पात्र सदस्यों की सूची में मतदाता के नाम के आगे एक निशान लगा लेगा जिससे वह पता चल सके कि उसे मतपत्र दिया जा चुका है। वह मतदाताओं को दिए गए मतपत्रों का भी लेखा इस प्रकार रखेगा जैसा निर्वाचन अधिकारी का निर्देश हो।

79. मतपत्र प्राप्त करने के पश्चात् मतदान करने का तरीका

1. मतपत्र प्राप्त करने के पश्चात् मतदाता तुरन्त गुप्त कक्ष में जो इसी कार्य के लिए निर्धारित किया हुआ है, में जाकर, विनियम 80 में दिए गए तरीके से अपना मत अंकित करेगा। तत्पश्चात् वह मतपत्र को मोड़कर, गुप्त कक्ष

छोड़ देगा और मतदान अधिकारी की उपस्थिति में इसी कार्य के लिए रखा गई मतपेटो में अपना मतपत्र डाल देगा।

(2) मतपेटो की बनावट इस प्रकार होनी चाहिए कि मतदान के दौरान उसमें मतपत्र डाले जा सकें किन्तु बिना उसे खोले या सील तोड़े हुए निकाले न जा सकें।

80. मतदाता द्वारा मतपत्र की वापसी

1. यदि कोई मतदाता अपना मत अंकित करने के लिए मतपत्र लेकर उसे प्रयोग करने का निर्णय लेता है, तो उस मतपत्र को मतदान अधिकारी को वापस करेगा तथा इस प्रकार वापस किए गए मतपत्र को यह—“वापस किया गया”—अंकित करके इस प्रयोजन के लिए बनाए गए एक अलग लिफाफे में रखा जाएगा और इस प्रकार के सभी मतपत्रों का हिसाब मतदान अधिकारी द्वारा रखा जाएगा।

2. यदि किसी मतदाता को मत अंकित करने के लिए दिया गया मतपत्र दिन के अन्त में मतदान अधिकारी के गुप्त कक्ष के निरीक्षण के समय वहाँ पर गतदाता द्वारा छोड़ दिया गया है, चाहे उसमें मत अंकित किए गए हों या नहीं, उसे उपविनियम (1) में दिए गए प्रावधान के अनुसार उसी प्रकार निर-दाया जाएगा, जैसे कि वह मतदान अधिकारी को वापस कर दिया गया हो।

81. मतदान केन्द्र पर प्रयुक्त कार्य विधि

1. यदि परिपद द्वारा अनुमानित दिन दिए गए हों, मतदान केन्द्र को मतदान के दिन, या दिनों में मतदान के लिए प्रांत 9 बजे से सायं 4 बजे तक खुला रखा जाएगा।

2. यदि इसके लिए निर्धारित दिन किसी मतदान केन्द्र में मतदाता नहीं हो सकता या उसमें किसी पर्याप्त कारणवश बाधा पड़ी है या डाली गई है या मतदान केन्द्र पर रखी मतपेटो में हेराफेरी की गई है, या दुर्घटना वगैरह जानबूझ कर नष्ट हो गई या कर दी गई है अथवा खो गई है या क्षतिग्रस्त हो गई है, निर्वाचन अधिकारी या मतदान अधिकारी प्रकरणानुसार मतदान को किसी अगली तिथि के लिए स्थगित कर सकता है या निर्वाचन अधिकारी उस केन्द्र पर मतदान को अग्रान्त घोषित कर सकता है और वहाँ पर पुनः मतदान का आदेश दे सकता है।

3. यदि उपविनियम (2) के अन्तर्गत कहीं मतदान स्थगित हुआ है या अग्रान्त घोषित किया गया है, निर्वाचन अधिकारी, जितना हो सके, अनुवर्ती मतदान का स्थान, तिथि या तिथियाँ तथा समय निर्धारित करेगा।

4. उपविनियम (3) के अन्तर्गत निर्धारित स्थान, तिथि या तिथियाँ तथा समय व्यक्तित्व रूप से सभी संघर्ष मतदाताओं को सूचित किए जाएंगे तथा यदि समय हो तो पत्रिका में प्रकाशित किए जाएंगे।

5. निर्वाचन अधिकारी जब तक चुनाव में पड़े मतों की गिनती प्रारंभ नहीं करेगा जब तक कि उन निर्वाचन क्षेत्र के मत मतदान केन्द्रों में मतदान सम्पन्न न हो जाए।

6. उपविनियम (1) में निर्धारित समय पर दिन के अन्त में या यदि मतदान एक से अधिक दिन हों, प्रत्येक दिन के अन्त में मतदान अधिकारी मतदान केन्द्र बन्द करेगा, और उनके बाद कोई भी मतदाता वहाँ प्रवेश नहीं कर सकेगा।

किन्तु यदि कोई मतदाता केन्द्र में बन्द होने से पूर्व वहाँ उपस्थित है, उसे अपना मत देने का अधिकार होगा।

7. मतदान अधिकारी मतदान समाप्त होने के पश्चात् या बन्द होने के पश्चात् यदि मतदान एक से अधिक दिन का हो, जितना जल्दी सो सके मतपेटो को किसी उपस्थित प्रत्यासी (प्रत्याभक्तियों) या उनके अधिकृत प्रतिनिधि (यों) के तमाम अपनी सील लगाकर तथा अन्य जो भी प्रत्यासी या उनके अधिकृत प्रतिनिधि चाहें वो उनकी सील लगाकर सील कर देगा।

8. मतदान अधिकारी निम्नलिखित को अलग-अलग बैकेट में रखेगा।

- (i) मतपत्र जो प्रयुक्त नहीं हुए ;
- (ii) वापस तथा रह किए गए मतपत्र ;
- (iii) मत देने के पक्ष सदस्यों की हस्ताक्षरित सूची ; तथा
- (iv) अन्य कोई कागजात, जो निर्वाचित अधिकारी के आदेशानुसार सीलबन्ध निपत्रों में रखे जाने चाहिए। इन सभी बैकेटों को अपनी सील लगाकर तथा ऐसे प्रत्याशी (प्रत्याशियों) या उनके अधिकृत प्रतिनिधियों की सील लगाकर, जो उस प्रवर्ग पर सील लगाना चाहते हैं—बन्द कर देगा। वह मतपेटों और ऐसे बैकेटों को सुरक्षित रूप से रखने की व्यवस्था करेगा।

9. जब मतदान एक से अधिक दिन होने की व्यवस्था हो, तो बाद के दिन मतदान केन्द्र, सारे दिन प्रयोग के लिए मतदाताओं के लिए खोलने के पूर्व मतदान अधिकारी उचित प्रत्याशियों या उनके अधिकृत प्रतिनिधियों की उपस्थिति में उपविनियम (7) एवं (8) के अन्तर्गत लगाई सीलों को स्वयं तथा प्रत्याशी या उनके प्रतिनिधियों की परीक्षा के उपरान्त तोड़ेगा।

10. उपरिनिर्दिष्ट मतपेटों तथा बैकेट के साथ, मतदाता का लेखा-जोखा भी दिया जाएगा, जिसमें कुल प्राप्त हुए मतपत्र, जारी किए गए मतपत्र, अप्रयुक्त मतपत्र, वापस किए गए मतपत्र, तथा मतपेटों तथा बैकेटों में जितने मतपत्र मिलने चाहिए उनकी संख्या उल्लिखित होगी। यह लेखाजोखा निर्वाचन अधिकारी को अर्पित किया जाएगा।

(82) मतपत्रों का परिवहन एवं अचिरक्षा

निर्वाचन अधिकारी एवं मतदान अधिकारी मतपत्रों की अचिरक्षा तथा त्रिविनियम 81 में वर्णित सभी बैकेटों और पेटियों की इन्स्टीट्यूट आफ कम्पनी सेक्रेटरीज आफ इंडिया के मुख्यालय तक सुरक्षित पहुंचाने की व्यवस्था करेंगे। निर्वाचन अधिकारी मतपत्रों का प्रारम्भ होने तक उनके सुरक्षित रखे जाने के लिए भी जिम्मेदार होगा।

83. मतदान केन्द्रों में इयूटी पर लगे सदस्यों द्वारा मतदान

मतदान अधिकारी निर्वाचन अधिकारी द्वारा उनकी सहायता के लिए नियुक्त लोगविनियम 87(ब) में वर्णित अधिकृत प्रतिनिधि, जो किसी निर्वाचन क्षेत्र के मतदाना है और इयूटी पर होने के कारण जिन मतदान केन्द्रों पर वे मतदान के पक्ष हैं, वहाँ जाकर मतदान करने में असमर्थ हैं वे जहाँ इयूटी पर होंगे उस मतदान केन्द्र पर मतदान करने के लिए अनुमति का प्रार्थना पत्र निर्वाचन अधिकारी को इस प्रकार से दें कि उस निर्वाचन क्षेत्र में मतदान के लिए नियत तिथि से कम से कम 30 दिन के पूर्व प्राप्त हो जाए। यदि निर्वाचन अधिकारी इस बात से संतुष्ट हो कि उनका साथ न्यायसंगत है तो वह इस प्रार्थना में दी गई व्यवस्थाओं के बावजूद, प्रार्थना को स्वीकार सकता है, तथा मतदाना को जिस मतदान केन्द्र पर वह मतदान अधिकारी की सहायता के लिए या किसी प्रत्याशी के अधिकृत प्रतिनिधि के रूप में इयूटी पर नैताव है, पर ही मतदान के लिए अनुमति दे सकता है।

किन्तु इस प्रकार की अनुमति एक मतदान केन्द्र पर एक प्रत्याशी के अधिकृत एक से अधिक प्रतिनिधियों को नहीं दी जाएगी। इस प्रकार के अधिकृत प्रतिनिधियों की विशेष रूप से प्रत्याशी द्वारा नामित किया जाना चाहिए।

84. डाक द्वारा मत देने की पात्रता

1. कोई सदस्य जिसका नाम विनियम 83 के आध्यात्मों के अर्पित सदस्यों की सूची में सम्मिलित है, किन्तु जिसका नाम किसी मतदान केन्द्र के अन्तर्गत नहीं लिखा है, वह इस व्यवस्था की व्यवस्थाओं के बावजूद डाक से मत देने का पात्र होगा।
2. किसी सदस्य को जो किसी मतदान केन्द्र पर मत देने का पात्र है, निर्वाचन अधिकारी के विवेकानुसार डाक द्वारा मत देने के लिए अनुमति दी

जा सकती है यदि वे निम्नलिखित कारणों से अपने आवंटित मतदान केन्द्र पर मत देने योग्य नहीं हैं :

- (क) मत देने के पक्ष सदस्यों की सूची में दिए गए पते से उसके पते में उस गांव, कस्बे या शहर से निम्न स्थान पर 16 कि.मी. त्रिज्या परिधि से अधिक दूरी पर स्थाई परिवर्तन हो गया है।
- (ख) उसका व्यावसायिक पता, आवंटित मतदान केन्द्र से 16 कि.मी. त्रिज्या परिधि से अधिक दूरी पर है।
- (ग) वह किसी स्थायी वितर्कागता में पड़ित है।

3. जहाँ व्यावसायिक पते में स्थायी परिवर्तन नहीं हुआ है किन्तु एक सदस्य द्वारा सचिव को यह सूचित किया जाता है कि वह चुनाव की तिथि या तिथियों को जायज अपने व्यावसायिक स्थान से बाहर रहेगा और आवंटित मतदान केन्द्र में जाकर मतदान नहीं कर पाएगा, उसे सचिव के विवेका अनुसार इस बात की अनुमति दी जा सकती है कि मतपत्र डाक से प्राप्त कर सक और किसी भी मतदान केन्द्र में उसे खल सके, किन्तु यह इन्स्टीट्यूट आफ कम्पनी सेक्रेटरीज आफ इंडिया की परिषद् द्वारा निर्धारित विशेष परिस्थितियों के अधीन होगा।

4. किसी सदस्य को जो अपने आवंटित मतदान केन्द्र से 16 कि.मी. त्रिज्या दूरी पर अपने व्यावसायिक पते के अनुसार निवास करता है ऐसे भी सचिव के विवेकानुसार उप विनियम (2) में दी गई रियायत का लाभ, उन्हीं शर्तों के अंतर्गत उठाने की अनुमति दी जा सकती है।

5. इस अध्याय की व्यवस्थाओं के बावजूद किसी सदस्य को जो भारत से बाहर निवास कर रहा है, डाक द्वारा मत देने का अधिकार है। यदि उसका विदेशी पता चुनाव के साठ दिन पूर्व इन्स्टीट्यूट आफ कम्पनी सेक्रेटरीज आफ इंडिया में पंजीकृत करा दिया गया हो। ऐसे सदस्य को उप विनियम (6) में प्रार्थना पत्र देने की आवश्यकता नहीं होगी।

6. उपर्युक्त फार्म एक प्रार्थना पत्र जिसकी त्रिवि वस्तु संज्ञा सदस्य द्वारा स्थापित निर्वाचन अधिकारी के नाम से इस प्रकार भेजी जानी चाहिए कि वह उसे मतदान की तिथि से साठ दिन पूर्व प्राप्त हो जाए और जो प्रार्थनापत्र उसे नियत अवधि में नहीं प्राप्त होगा उस पर विचार नहीं किया जाएगा।

7. जिस सदस्य को डाक द्वारा मत देने की अनुमति दी गई है वह मत पत्र के साथ उचित प्रपत्र में एक निर्धारित घोषणा भी संलग्न करके निर्वाचन अधिकारी को भेजेगा।

8. इन विनियम द्वारा प्रवृत्त रियायत का कोई भी दुरुपयोग या कोई असत्य विवरण, असत्य घोषणा या असत्य स्थापन व्यवस्था को विनियम 87(अ) के अन्तर्गत अनुशासनात्मक कार्रवाई का योग्य बना देगा।

9. निर्वाचन अधिकारी किसी भी मतदान केन्द्र के मतदान का संचालन स्थगित कर सकता है किन्तु ऐसा करने के लिए लिखित कारण देने होंगे।

85 जो मतदाता डाक द्वारा मतदान का पात्र हैं, उसकी मतदान केन्द्र पर मत देने का पात्रता

जो मतदाना विनियम 84 के अन्तर्गत डाक द्वारा मत देने का पात्र है, उसे निर्वाचन अधिकारी उसके निर्वाचन क्षेत्र में उसके द्वारा इंगित किसी विशेष मतदान केन्द्र में जाकर मतदान करने की अनुमति प्रदान कर सकता है, किन्तु इस बात में उसका लिखित आदेश पंजीकृत डाक से निर्वाचन अधिकारी के नाम पर इस प्रकार भेजा जाना चाहिए कि वह उसे मतदान की तिथि से कम से कम पैंतालीस दिन पूर्व प्राप्त हो जाए तथा जो आवश्यक निर्धारित समय के भीतर नहीं पहुंचता उस पर कोई विचार नहीं किया जाएगा।

86. प्रत्येक मतदाता के स्वीकार्य मतों की संख्या एवं मत देने की पद्धति प्रत्येक मतदाता का केवल एक मत होगा किन्तु उसे अपनी अधिमात्रतायें उपलब्ध होनी चाहिये प्रत्याशी हैं। मतदाता अपना मत देने के लिए—

(क) जिस प्रत्याशी को प्रथम अधिमात्रता देना चाहता है मतपत्र में उसके नाम के आगे बने वर्ग में 1 (एक) या रोमन अंकों या शब्दों में) अंकित कर देगा; तथा

(ख) इसके अतिरिक्त वह मतपत्र में अपने अधिमात्रता क्रम में अन्य प्रत्याशियों के नाम के आगे बने वर्गों में सं. 2, या 2 एवं 3 या सं. 2, 3, तथा 4 (एक या रोमन अंकों या शब्दों में) या इसके अधिक अंकित कर देगा।

87. मतपत्र

मत पत्र में निर्वाचन क्षेत्र के चुनाव में लड़े सभी प्रत्याशियों का नाम अंग्रेजी वर्णानुक्रम के अनुसार दिया होगा तथा इंस्टीट्यूट का प्रतीक चिह्न अंकित होगा।

87(क).—निर्वाचन अधिकारी द्वारा, जहाँ लागू हो, विनियम 84 के अंतर्गत डाक द्वारा मतपत्र भेजना।

निर्वाचन अधिकारी मुख्यालय में डाक द्वारा मतपत्र प्राप्त होने की अंतिम तिथि से कम से कम इकतीस दिन पूर्व डाक द्वारा मतदान करने के टुक द्वारा या अनुमति प्राप्त प्रत्येक मतदाता को मत पत्र रिकॉर्ड डिपॉजिटरी द्वारा भिजवाएगा, जिसके साथ मत अंकित करने के बारे में आवश्यक अनुदेश भी संलग्न होंगे, जिनमें एक बाहरी लिफाफा साधारण डाक से मतपत्र भेजने के लिए तथा अंदर का लिफाफा मतपत्र रखने के लिए होगा तथा जिस तिथि तक मतपत्र निर्वाचन अधिकारी के नाम से पहुंच जाना चाहिए उसका उल्लेख होगा।

87(ख) मतपत्र की डाक से वापसी की प्रक्रिया

1. विनियम 84 के उप विनियम 1 (2), (4) या (6) में वर्णित प्रत्येक मतदाता अपना मतपत्र स्वयं अंकित करेगा, उसे मोड़ कर इसी प्रयोजन के लिए बनाए गए अंदर के लिफाफे में रखेगा, उसे चिपका कर बंद करेगा तथा लिफाफे पर हस्ताक्षर के लिए बने स्थान पर हस्ताक्षर करेगा।

2. उप-विनियम (1) का अनुपालन करने की उपर्युक्त प्रणाली में एक हस्ताक्षरित घोषणा भी मतदाता द्वारा भेजी जानी अपेक्षित है।

3. मतदाता, बंद किया हुआ तथा हस्ताक्षरित अंदरूनी लिफाफा साधारण डाक से भेजने के लिए बाहरी लिफाफे में रखेगा, उसे बंद करेगा, चिपकाएगा, उस पर सदस्य संख्या लिख कर दिए गए स्थान पर नाम लिखेगा तथा हस्ताक्षर करेगा और उसे इस प्रकार डाक से भेजेगा कि वह सचिव को विनियम 59 के अंतर्गत डाक द्वारा मतपत्र प्राप्त करने की निर्दिष्ट की गई अंतिम तिथि तक पहुंच जाए।

4. मतदाता स्वेच्छा से, मतपत्र की पंजीकृत डाक से भेज सकता है।

87(ग) अनिश्चित तथा नए मतपत्रों का निर्माण

जहाँ विनियम 87(क) के अधीन डाक द्वारा भेजे गए मतपत्र और संलग्न कागजात रास्ते में क्षतिग्रस्त हो गए या खो गए हों या किसी कारणवश अक्षिप्त वापस आ गए हों या मतदाता द्वारा प्राप्त नहीं किए गए हों, तबब यदि क्षतिग्रस्त होने, खोने, वापस आने या प्राप्त न होने के कारणों से संतुष्ट है तो उन्हें मतदाता के लिखित आवेदन पर दोबारा पंजीकृत डाक से व्यक्तिगत रूप से दे सकता है या भिजवा सकता है।

87(घ) प्रत्याशियों या उनके अधिकृत प्रतिनिधियों का मतदान केन्द्रों में या मतगणना के स्थान पर उपस्थिति।

चुनाव में बड़ा हुआ कोई प्रत्याशी अपने निर्वाचन क्षेत्र में किसी मतदान केन्द्र में या मतगणना के समय स्वयं उपस्थित रह सकता है या किसी सदस्य को अपने प्रतिनिधि के रूप में उपस्थित रहने के लिए प्राधिकरण पत्र दे सकता है किन्तु यह प्राधिकरण पत्र मतदाता अधिकारी या निर्वाचन अधिकारी के पास मतदान या मतगणना, यथा स्थिति के पूर्व जमा हो जाना चाहिए।

87(ङ) सहायकों तथा कार्यकर्ताओं की नियुक्ति

1. निर्वाचन अधिकारी ऐसे व्यक्तियों को जिन्हें वह उचित समझे नियुक्त कर सकता है, जो चुनाव संबंधित किसी कार्य में उसका सहायता कर सकें।

2. निर्वाचन अधिकारी मत पत्रों की जांच के लिए मतगणना में सामान्य रूप से उसको सहायता के लिए ऐसे दो या अधिक व्यक्तियों का पैल या नियुक्त कर सकता है, जो न तो परिपक्व के सदस्य हों न चुनाव में प्रत्याशी हों।

87(च) मतगणना के लिए स्थान, समय तथा तिथि की सूचना

निर्वाचन अधिकारी मतदान की तिथि या तिथियों में से पहली तिथि के कम से कम पन्द्रह दिन पूर्व चुनाव में लड़े सभी प्रत्याशियों को इंस्टीट्यूट के मुख्यालय में मतगणना प्रारम्भ होने की तिथि तथा समय सूचित कर देगा।

87(छ) परिभाषाएँ—इस अध्याय में जब तक, प्रसंग में अन्यथा अपेक्षित न हो—

(1) “बने रहने वाला अभ्यर्थी” से कोई अभ्यर्थी अभिप्रेत है जो निर्वाचित नहीं हुआ है और किसी दिए गए समय पर मतदान से अपवाजित नहीं किया गया है;

(2) “गणना” से—

(क) अभ्यर्थियों के लिए अधिनिश्चित प्रथम अधिमानों की गणना में अन्तर्बलित सब क्रियाएँ, अथवा

(ख) निर्वाचित अभ्यर्थी के अधिशेष के अन्तर्गण में अन्तर्बलित सब क्रियाएँ, अथवा

(ग) अपवाजित अभ्यर्थी के मतों के कुल मूल्यांक के अन्तर्गण में अन्तर्बलित सब क्रियाएँ, अभिप्रेत है;

(3) “निर्णयित पत्र” से वह मतपत्र अभिप्रेत है जिस पर बने रहने वाले अभ्यर्थी के लिए आगे और अधिमान अभिलिखित नहीं है, परन्तु किसी पत्र की बाबत तभी यह समझा जाएगा कि यह निर्णयित है, जब कभी—

(क) दो या अधिक अभ्यर्थियों के नाम, जाहे वे बने रहने वाले हों या न हों एक ही अंक से चिह्नित हैं, और अधिमान के क्रम में घटते हैं, अथवा

(ख) अधिमान के क्रम में अगले अभ्यर्थी का नाम जाहे वह बने रहने वाला हो या न हो ऐसे अंक से, जो मतपत्र पर किसी अभ्यर्थी का क्रमवर्ती अनुगामी अंक नहीं है या दो या अधिक अंकों से चिह्नित है।

(4) “प्रथम अधिमान” से अंक 1 अभिप्रेत है जो अभ्यर्थी के नाम के सामने लिखा है, “द्वितीय अधिमान”, से अंक 2 अभिप्रेत है जो किसी अभ्यर्थी के नाम के सामने लिखा है और “तृतीय अधिमान” से अंक 3 अभिप्रेत है जो किसी अभ्यर्थी के नाम के सामने लिखा है और इसी भांति आगे भी अभिप्रेत है।

(3) "नूतन मत" से किसी प्रत्यक्ष मतपत्रों के संबंध में वह मत अभिप्रेत है जो ऐसे मतपत्र से व्युत्पन्न है जिनमें ऐसे प्रत्यक्ष मतपत्रों के लिए प्रत्यक्ष मतपत्र अभिलिखित है;

(6) "अतिरिक्त मत" से वह संख्या अभिप्रेत है जितनी से किसी प्रत्यक्ष मतपत्रों के मूल और अतिरिक्त मतों का मूल्यांकन कोटे के आधिक्य में है;

(7) "अतिरिक्त मत" से किसी प्रत्यक्ष मतपत्रों के संबंध में वह मत अभिप्रेत है जिस पर ऐसे प्रत्यक्ष मतपत्रों के लिए द्वितीय या पश्चवर्ती अभिमान अभिलिखित है; तथा

(8) "अतिरिक्त मत" से वह मतपत्र अभिप्रेत है जिस पर बने रहने वाले प्रत्यक्ष मतपत्रों के लिए द्वितीय और अभिमान अभिलिखित है।

87(क) डाक द्वारा प्राप्त मतों की गणना

(1) विनियम 87(क) के अंतर्गत सूचित तिथि तथा समय पर, निर्वाचन अधिकारी पहले उस चुनाव क्षेत्र से संबंधित डाक द्वारा प्राप्त मतपत्रों पर भागे की गई विधि द्वारा कार्यवाही करेगा।

(2) निर्वाचन अधिकारी मतगणना के समय उपस्थित प्रत्याशी या उनके प्राधिकृत प्रतिनिधियों को डाक द्वारा प्राप्त मतपत्रों के लिफाफों का निरीक्षण करने तथा अपने आप को संतुष्ट करने का कि वे ठीक है समुचित अवसर प्रदान करेगा, किन्तु उन लिफाफों की ह्रास में लेकर छेड़-छाड़ करने की अनुमति नहीं देगा।

(3) जिन लिफाफों में डाक द्वारा प्राप्त मतपत्र निर्वाचन अधिकारी द्वारा इसके लिए निश्चित समय समाप्त होने के पश्चात् प्राप्त होते हैं या ऐसे संवत्सों से प्राप्त होते हैं जिनका नाम मतदान के दिन या उससे पूर्व संवत्सता रजिस्टर से हटा दिया गया है उन्हें खोला नहीं जाएगा और न ही उनमें रखे मतों की गणना की जाएगी।

(4) निर्वाचन अधिकारी द्वारा अन्य लिफाफे एक एक करके लिए जाएंगे और जैसे जैसे बाहरी लिफाफे उठाये जाते हैं निर्वाचन अधिकारी द्वारा सर्वप्रथम उन पर निर्धारित स्थान में मतदाता के हस्ताक्षरों की परीक्षा की जाएगी।

(5) जिस लिफाफे पर मतदाता के हस्ताक्षर नहीं हैं, उसे न तो खोला जाएगा और न ही उसके अंदर रखे गए मत की गिनती जाएगी।

(6) जिन लिफाफों पर मतदाता के हस्ताक्षर हैं, उसे जैसे ही खोला जाएगा, निर्वाचन अधिकारी अपने आपको संतुष्ट करेगा कि उनमें रखे गए मतपत्रों पर मतदाता ने विधिवत घोषणा की है और हस्ताक्षर किए हैं।

(7) यदि मतदाता द्वारा घोषणा प्राप्त नहीं होती या वह विधिवत नहीं की गई या हस्ताक्षर नहीं की गई है या सारतः वृद्धिपूर्ण है या इस लिफाफे में अन्य किसी लिफाफे और मतपत्र के अतिरिक्त कोई अन्य कागज है तो वह मतपत्र निर्वाचन अधिकारी द्वारा निरस्त कर दिया जाएगा और निर्वाचन अधिकारी द्वारा ऊपरी लिफाफे, अन्य किसी लिफाफे तथा मतपत्र पर यदि वह बिना अन्य किसी लिफाफे के प्राप्त होता है तो यथोचित टिप्पणी कर दी जाएगी।

(8) इस प्रकार के अन्य किसी लिफाफे या मतपत्र, बाहरी लिफाफे में पुनः रख दिये जायेंगे और उन्हें अलग पैकेट में रखा जाएगा, जिन्हें सोल हस्त करके उन पर चुनाव क्षेत्र का नाम, मतगणना की तिथि, और इसके अन्तर्गत की सामग्री का संक्षिप्त विवरण दिया जाएगा।

(9) जिन अन्य किसी लिफाफों पर इस विनियम के पूर्व वर्णित प्रावधानों के अंतर्गत कार्यवाही नहीं की गई, उन्हें एक एक करके खोला जाएगा और निर्वाचन अधिकारी प्रत्येक लिफाफे से मतपत्र निकालेगा और उसकी

संख्या एक विवरण में दर्ज करेगा तथा इन मतपत्रों को प्रत्यक्ष से एक पैकेट में रखेगा।

87. (ख) मतपत्रों की जाँच व खोला

(1) मतगणना निर्वाचन अधिकारी मतपत्रों में रजिस्टर पर भागे दिए गए तरीके से कार्यवाही करेगा।

(2) किसी मतपत्र की खोले जाने से पहले, निर्वाचन अधिकारी, प्रत्याशी या मतगणना में उपस्थित उनके प्राधिकृत प्रतिनिधियों को मतपत्रों को और मतदान अधिकारियों से प्राप्त पैकेटों तथा उनकी सीटों को जाँचने के और अपने आपको इसके बारे में संतुष्ट करने कि वे ठीक है समुचित अवसर प्रदान करेगा किन्तु उन्हें मतपत्रों या पैकेटों से छेड़-छाड़ करने की अनुमति नहीं देगा।

(3) निर्वाचन अधिकारी अपने आपको भी संतुष्ट करेगा कि किसी मतपत्र में कोई गड़बड़ नहीं की गई और यदि वह ठीक है कि किसी मतपत्र में गड़बड़ की गई है तो वह उसमें रखे मतपत्रों को गिनती नहीं करेगा और इन मतपत्रों का विवरण किसी संबंधित चुनाव अधिकारी के लिए रखेगा।

(4) जो मतपत्रों ठीक होंगे उन्हें खोला जाएगा और उन्हें से मतपत्र निकाल कर गिने जाएंगे तथा उनका विवरण दर्ज किया जाएगा।

(5) विनियम 87 (क) के अंतर्गत (9) के अंतर्गत डाक से प्राप्त तथा पैकेट में रखे गए मतपत्रों की मतपत्रों से निकाले गए मतपत्रों में मिला दिया जाएगा और उनकी वैधता आदि की जाँच की कार्यवाही प्रारंभ की जाएगी।

87. (ग) मतपत्रों को प्रत्यक्ष घोषित करने के कारण मतपत्रों को प्रत्यक्ष कर दिया जाएगा,

(क) यदि मतदाता इस पर अपना नाम लिखता है या हस्ताक्षर करता है या इस पर विनियम 86 में अनुमत्य शब्द अक्षरों को छोड़कर कोई शब्द या अक्षर लिखता है या कोई निशान लगाता है जिससे मतपत्र पहचाना जा सके या मतदाता को पहचाना जा सके; या

(ख) यदि इसमें संस्थान का प्रतीक चिह्न नहीं हो;

(ग) यदि इस पर सं. 1 नहीं लिखी गई हो;

(घ) यदि इस पर सं. 1, एक से अधिक प्रत्याशियों के नाम के भागे लिखी गई है;

(ङ) यदि सं. 1 और अन्य कोई संख्या उसी प्रत्याशी के नाम के भागे लिखी गई हो;

(च) यदि यह चिह्नित नहीं है या अनिश्चितता के कारण अस्पष्ट है; या

(छ) यदि यह नकली मतपत्र हो या इतनी बुरी तरह क्षतिग्रस्त या विकृत हो कि उसको वास्तविक मतपत्र के रूप में पहचाना न जा सके।

87. (ट) विधिमार्ग मतपत्रों का पर्सलों में रखना मान्यता है

(1) निर्वाचन अधिकारी उन मतपत्रों को जिन्हें वह वैध मानता है वैन मतपत्रों से जिन्हें वह अस्वीकृत करता है उन पर अस्वीकृत की टिप्पणी से हुए तथा "अस्वीकृत" के कारण लिखी हुए अलग कर देगा।

(2) जो मसाले अधिविधायक हैं उनको प्रतिपादित करने के पश्चात् निर्वाचन अधिकारी—

- (क) शेष मतपत्रों को हर एक अर्धपत्रों के लिए अभिलिखित प्रथम अधिमान के अनुसार पारसलों में रखेगा ;
- (ख) हर एक पारसल में के मतपत्रों को गणना करेगा और उनको संख्या अभिलिखित करेगा ; तथा
- (ग) हर एक अर्धपत्रों के नाम उनके पारसल के मतपत्रों के मूल्यांक प्रकाशित करेगा ।

87. (ठ) कोटे का अभिलिखन:

हर विधिमन्त्र मतपत्र मूल्यांक 100 का समझा जाएगा और अर्धपत्रों का निर्वाचन सुनिश्चित करने के लिए पर्याप्त कोटा निम्नलिखित रूप में व्यवहारित किया जाएगा:—

- (क) विनियम 87 (ट) के उपविनियम (2) के अंड (ग) के अधीन सभी अर्धपत्रों के नाम प्रकाशित मूल्यांकों को जोड़िए;
- (ख) जोड़ को उस संख्या से विभाजित कीजिए जो सरी जाने वाली रिक्तियों की संख्या से एक अधिक है ; तथा
- (ग) यदि कुछ शेष बचता है तो उसका हवाला न रखते हुए भागफल में 1 जोड़िए और फलस्वरूप जो संख्या निकलेगी वही कोटा है ।

87. (ड) सामान्य अनुदेण

विनियम 87 (ड) से 87 (ख) के अनुपालन में निर्वाचित अधिकारी सभी विधियों को तथा चुने हुए प्रत्याशियों या चुनाव से निकाले गए प्रत्याशियों के पक्ष में किए गए अधिमानों की प्रतीक्षा करेगा ।

87. (ड) जिन अर्धपत्रों को कोटा प्राप्त हो गया है वे निर्वाचित हो जाएंगे ।

यदि किसी गणना के खत्म होने पर या अपवर्जित अर्धपत्रों के किसी पारसल या उप पारसल के अंतरण के पश्चात् अर्धपत्रों के नाम प्रकाशित मतपत्रों का मूल्यांक कोटे के बराबर है या कोटे से ज्यादा है तो वह अर्धपत्र निर्वाचित घोषित कर दिया जाएगा ।

87. (ण) अधिशेष का अंतरण

(1) यदि किसी गणना के खत्म होने पर अर्धपत्रों के नाम प्रकाशित मतपत्रों का मूल्यांक कोटे से ज्यादा है तो अधिशेष उन बचे रहने वाले अर्धपत्रों के पक्ष में इस विनियम के उपबन्धों के अनुसार अंतरित कर दिया जाएगा जो कि उस अर्धपत्रों के मतपत्रों में निर्वाचित के अधिमान कम में निकटतम अनुगामी के रूप में उपस्थित है ।

(2) यदि एक से अधिक अर्धपत्रों को एक से अधिक अधिशेष प्राप्त है तो अधिकतम अधिशेष से पहले बरता जाएगा, दूसरों से उनके परिणाम कम के अनुसार बरता जाएगा ; बशर्ते कि

प्रथम गणना में उद्भूत हर अधिशेष से दूसरी गणना में उद्भूत अधिशेष के मुकाबले में पहले बरता जाएगा और इसी क्रम में अनुवर्ती अधिशेषों से बरता जाएगा ।

(3) जहाँ कि वितरण के लिए एक से अधिक अधिशेष हैं और दो या अधिक अधिशेष समान हैं, वहाँ हर एक अर्धपत्रों के मूल मतों को हवाला में रखा जाएगा और जिस अर्धपत्रों को सर्वाधिक मूल मत मिले है उनका अधिशेष सर्वप्रथम वितरित किया जाएगा और यदि उनके मूल मतों के मूल्यांक समान है तो रॉटिंग आफफर लाट द्वारा यह विनिश्चय करेगा कि किस अर्धपत्रों का अधिशेष सर्वप्रथम वितरित किया जाए ।

(4) (क) यदि किसी अर्धपत्रों का वह अधिशेष, जो अंतरित किया जाता है केवल मूल मतों का ही उद्भूत हुआ है, तो निर्वाचित अधिकारी उस अर्धपत्रों के पारसल में के सब मतपत्रों की पहचान करेगा, अधिशेषित पत्रों को उनमें अभिलिखित निकटतम अनुगामी अधिमान के अनुसार उप पारसल में विभाजित करेगा और अधिशेषित पत्रों का एक पृथक उप पारसल बनाएगा ।

(ख) वह हर एक उपपारसल में के मतपत्रों का और सब अधिशेषित मतपत्रों का मूल्यांक अभिलिखित करेगा ।

(ग) यदि अधिशेषित मतपत्रों का मूल्यांक अधिशेष के बराबर है या उससे कम है तो वह सब अधिशेषित मत पत्रों को उस मूल्यांक पर, जिस पर वे उस अर्धपत्रों को प्राप्त हुए, जिसका अधिशेष अंतरित किया जा रहा है अंतरित करेगा ।

(घ) यदि अधिशेषित मतपत्रों का मूल्यांक अधिशेष से अधिक है तो वह अधिशेषित मतपत्रों के उप पारसलों का अंतरण करेगा और वह मूल्यांक, जिस पर हर एक मतपत्र अंतरित किया जाएगा, अधिशेष को अधिशेषित पारसलों की कुल संख्या से विभक्त करके अभिलिखित किया जाएगा ।

(5) यदि किसी अर्धपत्रों का वह अधिशेष, जो अंतरित किया जाता है, अंतरित और मूल मतों से उद्भूत हुआ है तो, निर्वाचन अधिकारी अर्धपत्रों को सबसे अल्प में अंतरित उपपारसल में के सब मतपत्रों की पुनः पहचान करेगा, अधिशेषित मतपत्रों को उन पर अभिलिखित निकटतम अनुगामी उपपारसल में विभाजित करेगा और वह उपपारसल से उही रीति में बरनेगा जैसी उपविनियम (4) में निर्दिष्ट उपपारसल की यथा में के लिए उपस्थित ।

(6) प्रत्येक प्रत्याशी को अंतरित किए गए कागजात उस प्रत्याशी के कागजात में उप पारसल के रूप में जोड़े जाएंगे ।

(7) किसी निर्वाचित प्रत्याशी के पारसल या उप पारसल में सभी कागजात, जो इस विनियम के अधीन अंतरित नहीं किए जा सके हैं, उन्हें यह मानकर अलग रख दिया जाएगा कि उन पर अंतिम कार्यवाई हो चुकी है ।

87. (त) मतदान में के निम्नतम अर्धपत्रों का अपवर्जन

(1) यदि सब अधिशेष के ऐसे अंतरित कर दिए जाने के पश्चात् जहाँ एतस्मिन्पूर्व उपबंधित है, निर्वाचित अर्धपत्रों की संख्या निर्धारित से कम है तो निर्वाचन अधिकारी मतदान के निम्नतम अर्धपत्रों को मतदान से अपवर्जित कर देगा और उनके अधिशेषित मतपत्रों को बचे रहने वाले अर्धपत्रों के बीच उन निकटतम अनुगामी के अनुसार वितरित कर देगा जो उन पर अभिलिखित है और किसी अधिशेषित मतपत्रों को अनिम्नगण बरने गए के रूप में अलग रखा जाएगा ।

(2) अपवर्जित अर्धपत्रों के मूल पत्रों को अन्तर्बिष्ट रखने वाले मतपत्र सर्वप्रथम अंतरित किए जाएंगे और हर एक मत पत्र का अंतरण मूल्यांक एक ही होगा ।

(3) अपवर्जित अर्धपत्रों के अंतरित मतों को अन्तर्बिष्ट रखने वाले मतपत्र तब अंतरण के उप क्रम में, जिनमें, और मूल्यांक पर जिनमें उसने उन्हें अभिप्राय किया था, अंतरित किए जाएंगे ।

(4) ऐसे हर एक अंतरण की बाबत यह समझा जाएगा, कि वह पृथक अंतरण है किन्तु पृथक गणना नहीं है ।

(5) यदि मतों के अंतरण के फलस्वरूप अर्धपत्रों द्वारा अभिप्राय मतों का मूल्यांक कोटे के बराबर है या उससे ज्यादा हो जाता है तो उस समय बचने वाली गणना पूरी की जाएगी किन्तु कोई अन्य मतपत्र उसे अंतरित न किए जाएंगे ।

(6) इस नियम द्वारा निर्दिष्ट प्रक्रिया मतदान में निम्नतम अर्थवर्षियों में से एक के पश्चात् दूसरे के निर्वाचन द्वारा यह एतरिम्त पश्चात उप-बंधित रूप में भर न जाए।

(7) यदि किसी समय अर्थवर्षी का अपवर्जन करना आवश्यक हो जाता है और दो या अधिक अर्थवर्षियों के असमान मतों का मूल्यांक एक ही है और वे मतदान में निम्नतम है तो एक ही अर्थवर्षी के मूल मतों को विचार में लिया जाएगा और जिस अर्थवर्षी को न्यूनतम मत मिले उसे अपवर्जित कर दिया जाएगा और यदि उनके मूल मतों का मूल्यांक बराबर है तो उस समय पहले बानों गणना में, जिसमें इन अर्थवर्षियों के असमान मूल्यांक के सबसे छोटे मूल्यांक वाला अर्थवर्षी अपवर्जित किया जाएगा।

(8) यदि मतदान में दो या अधिक अर्थवर्षी निम्नतम है और सब गणनाओं में हर एक के मतों का मूल्यांक बराबर है तो निर्वाचन अधिकारी साट द्वारा निर्णय करेगा कि कौन सा अर्थवर्षी अपवर्जित किया जाए।

87. (ग) अन्तिम रिक्तियों की पूर्ति

(1) जब कि किसी गणना के खत्म होने पर बने रहने वाले अर्थवर्षियों की संख्या घट कर न बरो गई शेष रिक्तियों की संख्या के बराबर हो जाती है तब बने रहने वाले अर्थवर्षियों को निर्वाचित घोषित किया जाए।

(2) जब कि किसी गणना के खत्म होने पर केवल एक रिक्ति बच जाती है और किसी एक अर्थवर्षी के मतपत्रों का मूल्यांक किसी अन्यत्रित न किए गए अधिवेश सहित अन्य बने रहने वाले अर्थवर्षियों के मत पत्रों के कुल मूल्यांक से अधिकतर में है तब यह अर्थवर्षी निर्वाचित घोषित किया जाएगा।

(3) जब किसी गणना के खत्म होने पर केवल एक रिक्ति बच जाती है और बने रहने वाले अर्थवर्षी दो ही रह जाते हैं और उनमें से हर एक के मतों का मूल्यांक एक बराबर है और कोई अन्यत्रण के योग्य अधिवेश नहीं रहा है तब निर्वाचन अधिकारी साट द्वारा यह निर्णय करेगा कि उनमें से कौन सा अपवर्जित किया जाए और उसको पूर्वोक्त रीति में अपवर्जित करने के पश्चात् दूसरे अर्थवर्षी को निर्वाचित घोषित किया जाएगा।

87. (द) पुनर्गणना के लिए उपबन्ध

(1) कोई अर्थवर्षी या उसकी अनुस्थिति में उसका प्राधिकृत प्रतिनिधि मतों की गणना के दौरान या तो मतों के (बाहेर के अधिवेशित हों या अन्य प्रकार के हों) किसी अन्यत्रण के प्रारम्भ के पूर्व या समाप्ति के पश्चात किसी समय निर्वाचन अधिकारी से प्रार्थना कर सकेगा कि वह सब अन्यत्रण के अर्थवर्षियों या किन्हीं अर्थवर्षियों के मतपत्रों की (जो ऐसे मतपत्र नहीं हैं जिन्हें इस आधार पर कि उनकी वाचन अन्तिम रूपेण कार्यवाही कर दी गई है किसी पूर्ववत अन्यत्रण में अलग नहीं रख दिया गया है) पुनः पड़ताल और पुनर्गणना करे और निर्वाचन अधिकारी तदनुसार उसकी तत्क्षण पुनः पड़ताल और पुनर्गणना करेगा।

(2) निर्वाचन अधिकारी ऐसी किसी वशा में, जिसे किसी पूर्ववत गणना की विधुद्धता की वाचन उपरान्त समाधान नहीं हुआ है, मतों की गणना, पुनर्गणना या तो एक बार या एक से अधिक बार स्वविवेकानुसार कर सकेगा।

परन्तु इस उपबन्ध की किसी बात से निर्वाचन अधिकारी के लिए यह आवश्यक न हो जाएगा कि वह उन्हीं मतों की पुनर्गणना करेगा

87. (घ) परिणाम की घोषणा

परिणाम की घोषणा की निर्धारित तिथि को निर्वाचित प्रत्याशियों के नामों की घोषित किया जाएगा तथा उन्हें चुनाव में खड़े सभी प्रत्याशियों को रजिस्टर्ड डाक द्वारा अलग अलग भेजा जाएगा। एवं पत्रिका में भी प्रकाशित किया जाएगा।

87. (न) आकस्मिक भूत-भूत से निर्वाचन प्रीय नहीं होता

निर्वाचन में किसी आकस्मिक अभावधानी या अनिश्चितता जैसे किसी मतदान की मतदान पत्र भेजने में अक्षमता निवृत्ति या विजम्ब, या उसका किसी मतदाता द्वारा अप्रत्याशित रूप से न प्राप्त होता, या विजम्ब से प्राप्त होने के कारणजण कोई चुनाव प्रीय नहीं माना जाएगा।

87. (प) निर्वाचन अधिकारी का निर्णय अन्तिम

चुनाव के बारे में विनियम 87 (फ) के अधीन न केवल इन विनियमों की व्याख्या के बारे में अन्तिम अन्तर्गति गई कार्य प्रणाली जो इन विनियमों के अन्तर्गत उल्लिखित नहीं है, के बारे में भी निर्वाचन अधिकारी का निर्णय अन्तिम होगा।

87 (फ) चुनाव के बारे में विवाद

1. नामांकन के बारे में वैधानिक निर्णय या चुनाव परिणाम के बारे में निर्वाचन अधिकारी के निर्णय या इससे संबंधित किसी मामले के बारे में जो चुनाव की प्रक्रिया में महत्वपूर्ण है, कोई आवेदन चुनाव परिणाम की घोषणा के 30 दिन के अंदर किता पक्षित प्रत्याशों द्वारा परिषद को भेजा जाएगा और परिषद उसे केन्द्रिय सरकार द्वारा धारा 10 का उच्छास (2) के अन्तर्गत निवृत्त किए गए न्यायाधिकरण को भेज देगा।

2. न्यायाधिकरण अपना निर्णय देते समय खर्च के बारे में जैसा उचित समझे आवेदन दे सकता है।

3. यदि न्यायाधिकरण इस बात से संतुष्ट है कि धारा 10 का उच्छास (2) के अन्तर्गत दिया गया कोई आवेदन सारहीन था या वैध आधार पर नहीं था, वह परिषद को खर्चा दिए जाने का आवेदन कर सकता है।

87 (ब) सर्वश्रेष्ठ के विरुद्ध चुनाव प्रक्रिया से संबंधित अनुमानानुसंगिक कार्रवाई

(1) यदि कोई सर्वश्रेष्ठ बूट दूट की परिषद के चुनाव में उप-विनियम 2 के निम्नलिखित खंडों (क), (ख), (ग), (घ) (ङ) या (च) का उल्लंघन करने का दोषी पाया जाता है तो वह परिषद द्वारा अनुमानानुसंगिक कार्रवाई का उत्तरदायी होगा।

2. कोई प्रत्याशी अपने उम्मीदवारी के गुणवत्ताक पहलुओं पर प्रकाश डालते हुए, अपनी योग्यता तथा व्यवसाय को अपने योगदान के बारे में एक सरकुलर पत्र जारी कर सकता है। परिषद के चुनाव के बारे में जारी कोई सरकुलर, निम्नलिखित अवस्थाओं या परिषद द्वारा चुनाव में शामिलता बनाने रखने के हित में जारी किए गए मार्गदर्शक सिद्धान्तों के अनुसार होगा, यथा--

(क) इस प्रकार का सरकुलर मतदाताओं को जारी किए जाने के 10 दिन के अंदर सचिव के नाम से सूचना एवं अधिलेख के लिए अवश्य भेजा जाना चाहिए ;

(ख) सरकुलर में प्रत्याशी के बारे में तथ्यात्मक सूचना होनी चाहिए तथा उसमें प्रत्यक्ष या परोक्ष रूप में किसी अन्य प्रत्याशी के बारे में कोई संदर्भ नहीं होना चाहिए ;

(ग) प्रत्याशी ने अपने बारे में जो सूचना हर्स्ट-ट्रूट को दी है उसमें तथा सरकुलर में दी गई सूचना में कोई महत्वपूर्ण अंतर नहीं होना चाहिए ;

(घ) सरकुलर में जाति, वर्ग, संस्था या क्षेत्र के आधार पर मतदाताओं से कोई अपील नहीं होनी ;

(ङ) सरकुलर को केवल निर्वाचन क्षेत्र के मतदाताओं के बीच ही वितरित किया जाएगा ;

(च) रखाया ता तादात स्वोद्धत होने के बाद ही सरकुलर जारी किया जाएगा।

व्याख्या :

इस उप-विनियम के लिए 'सरकुलर' शब्द में ऐसा कोई वैयक्तिक पत्र शामिल नहीं होगा जो किसी व्यक्ति विशेष को लिखा गया हो, जिसमें मत देने की प्रार्थना हो, किन्तु यदि ऐसा ही पत्र कई मतदाताओं को लिखा जाता है तब वह सरकुलर माना जाएगा।

3. यदि कोई सदस्य परिषद के चुनाव से संबंधित निम्नलिखित में से एक या अधिक पद्धति अपनाता है, वह परिषद द्वारा अनुशासनात्मक कार्रवाई का जिम्मेवार होगा।

(क) घूस, जिसका तात्पर्य किसी प्रत्याशी द्वारा या उसके गुप्त सहयोग से किसी व्यक्ति की उपहार, या उपहार के आश्वासन या किसी त्रुटिकरण से है, जिसका प्रत्यक्ष या परोक्ष उद्देश्य—

(i) किसी सदस्य को चुनाव में खड़े या न खड़े होने के लिए कुसलाना है ;

(ii) किसी प्रत्याशी की नाम वापस लेने के लिए कुसलाना या नाम वापस लेने के लिए पुरस्कृत करना ; और

(iii) किसी मतदाता की मत देने या न देने के लिए कुसलाना या इस प्रकार करने या न करने के लिए पुरस्कार देना।

व्याख्या—

इस उप-विनियम के लिए तुष्टीकरण शब्द केवल किसी तुष्टीकरण या दण्ड में प्राप्ति वाले तुष्टीकरण से है जिसमें सभी प्रकार के मनोरंजन, पुरस्कार के लिए सभी प्रकार की नीकरियाँ शामिल हैं, किन्तु चुनाव के आवश्यक खर्च शामिल नहीं हैं ;

(ख) धनावश्यक दबाव, जिसका तात्पर्य है कोई प्रत्यक्ष या परोक्ष हस्तक्षेप या किसी प्रत्याशी या अन्य व्यक्ति द्वारा उसकी मिलीभगत से मतदान के मुक्त अधिकार में किसी प्रकार का हस्तक्षेप।

(ग) प्रत्याशी या किसी अन्य व्यक्ति द्वारा उसकी मिलीभगत से ऐसे किसी विवरण का प्रकाशन जो झूठ है, या उसे पता है कि झूठ है या उसे पता है कि यह सच नहीं है। जो किसी प्रत्याशी के कार्य या आचरण के बारे में या किसी प्रत्याशी की उम्मीदवारी या नाम वापस लेने के बारे में, सोच समझ कर उस प्रत्याशी के चुनाव परिणाम पर विपरीत असर डालने के लिए प्रकाशित किए गए हैं ;

(घ) भारत सरकार में या किसी प्रादेशिक सरकार में काम कर रहे किसी व्यक्ति से यदि वह मतदान का प्राप्त सदस्य है, मत देने के दायित्व प्रत्याशी के चुनाव परिणाम में प्रोत्साहन के लिए कोई अन्य सहायता प्राप्त करना, लेना या लेने या प्राप्त करने का प्रयत्न ;

(ङ) उपरोक्त उप-विनियम (क) से (घ) तक किया गया कोई कार्य यदि किसी सदस्य द्वारा किया जाए जो प्रत्याशी नहीं है या जो सदस्य प्रत्याशी के साथ मिल कर इस प्रकार का काम करता है ;

(च) किसी सदस्य द्वारा कोई तुष्टीकरण प्राप्त करना या प्राप्त करने का समझौता—निम्नलिखित में से कोई कार्य करने के लिए पुरस्कार या प्रलोभन—

(i) प्रत्याशी के रूप में खड़े होने या न खड़े होने के लिए,

(ii) उम्मीदवारी वापस लेना ;

(iii) दण्ड या किसी अन्य व्यक्ति द्वारा मतदान करने या न करने के लिए ;

(iv) किसी मतदाता को मत देने या न देने के लिए प्रलोभन देने या प्रलोभन देने का प्रयत्न करने के लिए ; और

(v) किसी प्रत्याशी की नाम वापस लेने के लिए प्रलोभन देने या प्रलोभन देने का प्रयत्न करने के लिए

(छ) इस अध्याय में किए गए प्रावधानों के उल्लंघन या दुरुपयोग के लिए, या इस अध्याय के प्रावधानों का पालन करने में कोई बंधन देना, उसे झूठ जानते हुए या यह जानते हुए कि सत्य नहीं है।

10. उक्त विनियमों के अध्याय 12 में विनियम 114 के उप-विनियम (2) के स्थान पर निम्नलिखित प्रतिस्थापित किया जायेगा, यथा :—

“(2) विनियमन 87-त जैसा क्षेत्रीय परिषद के निर्वाचन के उप-विनियम (1) द्वारा लागू किया गया है, में किसी बात के होते हुए भी, निर्वाचन अधिकारी—

(क) मतगणना के किसी भी चरण में निम्नतम प्रत्याशी को निर्वाचन से अपवर्जित नहीं करेगा—

(i) यदि कोई प्रत्याशी ऐसे राज्य या क्षेत्र शासित क्षेत्र से है जहाँ विनियम 115 के उपविनियम (1) के अन्तर्गत एक या अधिक सुरक्षित स्थान हैं ; तथा

(ii) यदि वह उस राज्य या क्षेत्र शासित क्षेत्र से भेजेला बना रहने वाला प्रत्याशी है या उसे सम्मिलित करके उस राज्य या क्षेत्र में रहने वाले प्रत्याशियों की संख्या उस राज्य या क्षेत्रशासित क्षेत्र के लिये आरक्षित स्थानों के बराबर या कम है ;

(ख) वह उसके अगले निम्नतम प्रत्याशी को अपवर्जित करेगा तथा यदि उस प्रत्याशी के मामले में भी खंड (क) के प्रावधान लागू होते हैं, उससे अगले प्रत्याशी को, जिसके मामले में खंड (क) का प्रावधान लागू नहीं होता है, जो प्रत्याशी खंड (ख) के अन्तर्गत अपवर्जित नहीं किये गये उन्हें निर्वाचन किये गये घोषित करेगा और भरे जाने वाले शेष स्थानों के लिये मतगणना जारी रखेगा।”

11. विनियम 116 के उपविनियम (1) के द्वितीय पराम्बुल में, “मतगणना की तिथि” के स्थान पर “मतदान की तिथि” प्रतिस्थापित किया जायेगा।

12. विनियम 116 के उपविनियम (2) के स्थान पर निम्नलिखित प्रतिस्थापित किया जायेगा, यथा :—

“(2) किसी क्षेत्रीय परिषद के निर्वाचन के लिये खड़े प्रत्येक प्रत्याशी द्वारा नामांकन पत्र के साथ मुख्यालय कार्यालय में प्रत्येक निर्वाचन के पूर्व परिषद द्वारा अधिसूचित फीस जो ₹. 500 से अधिक नहीं होगी, नकद या डिमाण्ड ड्राफ्ट के रूप में जमा करानी होगी जो किसी भी अवस्था में, नामांकन की अस्थायी-हति को छोड़कर वापस नहीं होगी।”

13. विनियम 117 के उपविनियम (4) में, “यदि क्षेत्रीय परिषद का कोई सदस्य” शब्दों के बाद में, निम्नलिखित शब्द जोड़े जाएंगे यथा :— “जिसमें परिषद का वह सदस्य जो विनियम 111 के उपविनियम (2) के खण्ड (क) के अनुसार क्षेत्रीय परिषद का सदस्य बना है, सम्मिलित है।”

14. उक्त विनियमों के विनियम 167 के प्रथम पराम्बुल में शब्द, ब्रेकेट व वर्ण “विनियम 61 का उपविनियम (2)” के स्थान पर शब्द, ब्रेकेट व वर्ण “विनियम 62 का उपविनियम (1)” प्रतिस्थापित किया जाएगा।

परिषद के प्रादेश से,

टी.पी. सुब्बारामन, सचिव

THE INSTITUTE OF COMPANY SECRETARIES OF INDIA

(Constituted under the Company Secretaries Act,
1980)

The Company Secretaries (Amendment) Regulations,
1988

(ICSI No. 1 of August, 1988)

NOTIFICATION

New Delhi, the 22nd August, 1988

No. 710(2)(M)(2).—Whereas, certain draft regulations further to amend the Company Secretaries Regulations, 1982, were published as required under sub-section (3) of section 39 of the Company Secretaries Act, 1980 (56 of 1980), at pages 1 to 27 of the Gazette of India, Extraordinary, Part III, Section 4, dated the 20th October, 1987, under the notification of the Institute of Company Secretaries of India, dated the 1st October, 1987, inviting objections and suggestions from all persons likely to be affected thereby before the expiry of forty-five days from the date of the notification and copies of the said notification were made available to the public on the 20th November, 1987;

And whereas, the objections and suggestions received from the public on the said draft regulations have been considered by the Council and the Central Government;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 39, read with sub-section (3) of that section of the Company Secretaries Act, 1980 (56 of 1980), the Council, with the approval of the Central Government, makes the following amendments to the Company Secretaries Regulations, 1982, namely :—

1. (1) These regulations may be called the Company Secretaries (Amendment) Regulations, 1988.

1. (2) Save as otherwise provided in these regulations, these regulations shall come into force from the date of their publication in the Gazette of India.

2. In the Company Secretaries Regulations, 1982 (hereinafter referred to as the said regulations), for regulation 3, the following shall be substituted, namely :—

“3. Register

The Register of members of the Institute shall be maintained in the proforma as provided in Schedule A and every member shall be required to communicate to the Institute any change of professional address, within one month of such change”.

3. In sub-regulation (2) of regulation 32 of the said regulations, after the word “Journal”, the following shall be inserted, namely :—

“or Student Company Secretary a monthly bulletin published for students”.

4. In sub-regulation (3) of regulation 41A of the said regulations, for the proviso to clause (b), the following shall be substituted, namely :—

“Provided that a candidate who has appeared in the subjects of a group for which he was required to enrol and has secured sixty per cent or more marks in any subject(s) and a minimum of twenty-five per cent marks in each of the remaining subject(s) of the group but has failed in the group, shall be exempted from that or those subject(s) in which he secured sixty per cent or more marks, in any subsequent examination(s) on submission of an application in this behalf on or before the last date of enrolment for the examination in which he intends to appear :

Provided further that notwithstanding anything contained above, a candidate who has appeared in all the subjects of the group for which he was enrolled without obtaining any exemption and has failed in one paper comprised in the group but got a minimum of sixty per cent of the total marks of the remaining subjects of the group shall be declared to have passed in that group if he re-appears in that paper and gets forty per cent marks in anyone or more of the immediately next three following examinations.

EXPLANATION :

For the purposes of the first proviso, the marks obtained by a candidate in the subject(s) in which he had obtained exemption on the basis of having secured sixty per cent or more marks shall not be taken into account for computing his result for the remaining subject(s) of the group for any of the subsequent examination(s)”.

5. In sub-regulation (3) of regulation 44A of the said regulations, for proviso to clause (b), the following shall be substituted, namely :—

“Provided that a candidate who has appeared in the subjects of a group for which he was required to enrol and has secured sixty per cent or more marks in any subject(s) and a minimum of twenty-five per cent marks in each of the remaining subjects of the group but has failed in the group, shall be exempted from that or those subject(s) in which he secured sixty per cent or more marks, in any subsequent examination(s) on submission of an application in this behalf on or before the last date of enrolment for the examination in which he intends to appear :

Provided further that notwithstanding anything contained above, a candidate who has appeared in all the subjects of the group for which he was enrolled without obtaining any exemption and has failed in one paper comprised in the group but got a minimum of sixty per cent of the total marks of the remaining subjects of the group shall be declared to have passed in that

group if he re-appears in that paper and gets forty per cent marks in anyone or more of the immediately next three following examinations.

EXPLANATION :

For the purposes of the first proviso, the marks obtained by a candidate in the subject(s) in which he had obtained exemption on the basis of having secured sixty per cent or more marks shall not be taken into account for computing his result for the remaining subject(s) of the group for any of the subsequent examination(s).

6. After regulation 46, but before Chapter VII of the said regulations, the following shall be inserted, namely :—

“46A. Revival of exemption in an examination

If a candidate applies for and is allowed cancellation of exemption in any subject(s) obtained by him earlier or, of result of any group(s) of an examination passed by him earlier under any of the regulations, he shall not be eligible for revival of such exemption(s) or the benefit of having passed such group(s), as the case may be, in any subsequent examination(s)”.

7. For sub-regulation (2) of regulation 58 of the said regulations, the following shall be substituted, namely :—

“(2) An elected member of the Council shall, subject to the provisions of sections 13 and 14, hold office for a period of three years and shall not be required to vacate the membership of the Council if he changes his professional address from one Regional constituency to another”.

8. In regulation 57 of the said regulations, in sub-regulation (1), for the words “sixty days”, the words “ninety days”, shall be substituted.

9. For Chapter IX of the said regulations, the following shall be substituted, namely :—

CHAPTER IX

ELECTIONS

59. Dates of Election

The Council shall notify in the Journal at least ninety days before the date of expiry of the term of the existing Council, the dates fixed for the following stages of election of members to the Council, namely :—

- (a) the last date and time for receipt of nominations;
- (b) the date of the scrutiny of nominations;
- (c) the last date for withdrawal of nominations;
- (d) the date or dates of polling;

(e) the last date for receipt of applications for permission to vote by post under regulation 84;

(f) the last date for receipt of voting papers by post; and

(g) any other date or dates for the conduct of election.

60. Election Committee

An Election Committee consisting of the President, Vice-President and one government nominee on the Council, as may be nominated by the Central Government, shall generally supervise the conduct of elections to the Council and the Regional Councils in accordance with the regulations contained in this Chapter and Chapter XII :

Provided that where the President or Vice-President, as the case may be, is a candidate for election, the President or the Vice-President, as the case may be, or, both, shall be ineligible to continue as member(s) thereof and the resulting vacancy shall be filled up by the Secretary by nominating one, or, as the case may be, two persons not contesting the elections from out of a list of persons previously approved by the Council in the order of priority given in such list.

61. Returning Officer

The Secretary shall be the Returning Officer who shall conduct the elections in accordance with these regulations.

62. Members Eligible to Vote

(1) Subject to the other provisions of these regulations, a person whose name is borne on the Register on the 1st day of July of the year in which the election to the Council is to take place, shall be eligible to vote in the election from the regional constituency within whose territorial jurisdiction his professional address falls on the said date provided that his name has not been removed from the Register after the said date and before the date of poll :

Provided that if the professional address is not borne on the Register on the relevant date, the residential address borne on the Register shall determine his regional constituency.

(2) In the case of members having their professional addresses outside India and eligible to vote, their regional constituencies shall be determined according to their professional addresses in India registered immediately before they went abroad or the residential addresses in India borne on the Register on the relevant date, whichever is earlier.

63. List of Voters

(1) At least ninety days before the date of the expiry of the term of the existing Council, the Returning Officer shall prepare a list of members of the Institute in each constituency eligible to vote, showing inter alia distinctly and separately—

- (i) whether any particular member is an Associate member or a Fellow member;

- (ii) the polling area or polling booth to which the voter is attached and where he should exercise his franchise, if the Returning Officer decides that his voting shall be in a polling booth, and not by post;
- (iii) the location of the polling booth and polling area for which each such booth has been selected; and
- (iv) whether any particular member is entitled to vote by post under regulation 84.

(2) Subject to the other provisions of these regulations, the address published in the list of members eligible to vote shall be final for determining the manner in which a member is entitled to cast his vote or the constituency or the polling booth to which he belongs for the purpose of casting his vote:

Provided that if a member attached to a particular polling booth in a city where more than one polling booth have been set up, finds that it would be difficult for him to vote at the polling booth to which he is attached, he may, at the discretion of the Returning Officer, be permitted to vote at another polling booth in the same city. Applications in this behalf in writing stating the reasons for the request must reach the Returning Officer at least forty-five days before the date of polling.

64. Members eligible to stand for election

Subject to sub-regulation (3) of regulation 58, any member whose name is borne on the Register as a Fellow as on the first day of July of the year in which election is held and whose name continues to be borne on the Register on the date of declaration of results of election, shall be eligible to stand as a candidate for election to the Council from the regional constituency in which his professional address is included as a voter :

Provided that no member shall be eligible to stand as a candidate for election to the Council and to a Regional Council at the same time.

Explanation :—For the purpose of this Chapter, unless the context otherwise requires, "candidate" shall mean a member who is entitled to file and has filed his nomination for election to the Council under these regulations and whose name continues to be borne on the Register on the date of declaration of results of elections.

65. Nominations

(1) The Council shall not less than ninety days before the date of expiry of the term of the existing Council, notify in the Journal the number of persons to be elected from each regional constituency and call for nominations of candidates for election to each regional constituency by a specified date which shall not be less than fourteen days from the date of issue of the notification.

(2) The nomination of a candidate shall be in the appropriate form duly signed by the candidate and by one proposer and one seconder all of whom shall

be persons entitled to vote in the election and shall be so delivered so as to reach the Returning Officer not later than the last date fixed for receipt of nominations.

(3) The nomination shall be accompanied by a statement duly completed, signed and verified by the candidate containing information concerning the candidate in respect of the following matters :

- (a) Name, membership number and professional address;
- (b) Age;
- (c) Academic and professional qualifications (University degrees, post-graduate diplomas given by any university and membership of professional bodies recognised by the Council).

(4) The statement referred to in sub-regulation (3) may also contain, at the option of the candidate, information concerning the candidate in respect of the following matters, namely :—

- (a) merit awards (in the degree/diploma examinations conducted by universities, examinations conducted by the dissolved company or the Institute and examinations conducted by any other institution recognised by the Council for the purpose);
- (b) particulars of present occupation :
 - (i) employment (Name of employer and official designation of candidate as given by employer);
 - (ii) practice as Company Secretary (sole proprietor or in partnership, including the name of the firm);
 - (iii) any other main occupation (applicable only if the candidate is not in any employment or practising as Company Secretary).
- (c) Other particulars :
 - (i) past and present membership of the Council, Regional Councils and Managing Committees of Chapters including office of President and Vice-President in the Council and office of Chairman, Vice-Chairman, Secretary or Treasurer in the Regional Councils and Chapters;
 - (ii) contributions in professional seminars and conferences organised by the Councils, its Regional Councils and Chapters;
 - (iii) authorship of books or articles on any subject directly related to corporate and business management and of interest to company secretaries;
 - (iv) academic positions held in universities and professional institutions recognised by the Council.

(5) The candidate may, further, at his option furnish a copy of his recent passport size photograph.

66. Nomination fee

Every candidate standing for election shall, along with the nomination papers pay at the headquarters office a fee of not exceeding rupees one thousand as may be notified along with the notification of dates of election under regulation 59, by the Council before each election in cash or by demand draft which shall not be refundable under any circumstances except in the event of the rejection of nomination under sub-regulation (11) of regulation 67.

67. Scrutiny of nominations

(1) The Council shall appoint for each election a panel for the scrutiny of the nomination papers of all the candidates.

(2) The panel shall consist of three persons of whom one shall be the Secretary of the Institute and the other two shall be persons nominated by the Council from amongst the members of the Council referred to in clause (b) of sub-section (2) of section 9 of the Act, who shall be officers of the Central Government, provided that if one or more of such members are not available or unwilling to act, then such other person or persons as the Council may decide, in order of preference.

(3) A notification containing the names of the members of the panel appointed by the Council shall be issued to the members generally before the last date fixed for the receipt of nominations for the election for which the panel is appointed.

(4) The term of the panel shall end with the conclusion of the election for which it is appointed.

(5) The panel shall have the power to regulate its procedure in such manner as it considers just and expedient.

(6) The quorum of the panel for the transaction of its business shall be two.

(7) The decisions of the panel shall normally be unanimous. In case of difference of opinion among the members of the panel, the final decision shall be that of the majority of the members constituting the panel.

(8) In case a vacancy arises in the panel by reason of one or more members of the panel being unable to act for any reason, the vacancy shall be filled up by the Secretary out of the list of persons previously approved by the Council, in the order of preference.

(9) The panel shall scrutinise the nomination papers of all the candidates on the date fixed for the purpose and shall endorse on each nomination paper its decision whether it accepts, refuses or rejects the nomination. At such scrutiny of nominations, the panel shall allow any candidate or his authorised representative to be present, if he so desires.

(10) The panel shall record a brief statement of its reasons if it refuses or rejects a nomination.

(11) The panel shall refuse or reject a nomination if it is satisfied :

- (a) that the candidate was ineligible to stand for election under regulation 64 or he filed nominations for election to both the Council and Regional Council in contravention of proviso to regulation 64;
- (b) that the proposer or the seconder was not qualified to subscribe to the nomination of the candidate under sub-regulation (2) of regulation 65;
- (c) that the signature of the candidate or of the proposer or the seconder is not genuine or has been obtained by coercion or road;
- (d) that the provisions of regulations 65 and 66 have not been complied with, in that —
 - (i) the nomination was not in the appropriate form ;
 - (ii) the nomination fee was not paid as provided under regulation 66;
 - (iii) the nomination was not signed by the candidate, the proposer or the seconder ;
 - (iv) the nomination was not accompanied by a statement duly completed, signed and verified by the candidate as provided in sub-regulation (3) of regulation 65 ; or
 - (v) the nomination was not delivered in the Institute on or before the last date and time fixed for receipt of nominations.

Explanation 1.—If the last date fixed for receipt of nominations under clause (a) of regulation 59 is subsequently declared as a holiday for the Institute or for delivery of registered posts by the local post office, the last day fixed shall be construed as the immediately next working day for the Institute or local post office, as the case may be.

Explanation II

The panel may not reject a nomination paper on the ground of a technical defect which is not of a substantial character.

Explanation III

The rejection of a nomination of a candidate by reason of any irregularity in respect of that nomination shall not be a ground for rejection of another nomination which is valid in respect of the same candidate.

Explanation IV

If a proposer or a seconder incurs a disability by reason of the operation of the provisions of the Act and these regulations subsequent to the last date fixed for receipt of nominations, it shall not invalidate the nomination.

(12) Where the nomination (s) of a candidate have been rejected, the Returning Officer shall give notice of the decision of the panel together with a brief statement of the reasons therefor, to the candidate concerned by registered post within seven days from the last date fixed for receipt of nomination.

68. Preparation of Lists of valid nominations

(1) On completion of the scrutiny of the nominations, the Returning Officer shall forthwith prepare a list of valid nominations received in respect of each regional constituency and cause a copy of the list to be sent by registered post to each candidate of the constituency within seven days of the last date fixed for receipt of nominations.

(2) The list shall contain the names in alphabetical order with the professional addresses of the candidates in respect of each regional constituency and, in case the professional address of a candidate is not borne on the Register on that relevant date, the residential address of such a candidate as on that relevant date borne on the Register.

69. Withdrawal of nomination

(1) Subsequent to the receipt of the list of valid nominations sent under sub-regulation (1) of regulation 68, a candidate may withdraw his nomination by notice in writing, subscribed by him and delivered to the Returning Officer, on or before the last date fixed for such withdrawals which shall not be less than ten days from the date following the date of issue of the communication under sub-regulation (1) of regulation 68.

(2) A candidate who has withdrawn his nomination shall not be entitled to rescind his withdrawal.

70. Intimation of final list of nominations to candidates and voters

(1) The Returning Officer shall omit from the list of valid nominations the names of candidates who have withdrawn their nominations and send the final list of contesting candidates (hereinafter referred to as "contesting candidates") in respect of each regional constituency to all the candidates of the constituency by registered post and to the voters of that constituency by recorded delivery post.

(2) The list shall also be accompanied by such particulars of all contesting candidates of that constituency as compiled, prepared and presented by the Returning Officer from the particulars to the extent supplied by the candidates under sub-regulations (3), (4) and (5) of regulation 65.

(3) In presenting the particulars required to accompany the list under sub-regulation (2) hereof, the Returning Officer shall—

- (a) make use of the particulars furnished by the candidates under sub-regulations (3), (4) and (5) of regulation 65.

(b) not include anything, whether or not contained in the particulars furnished by the candidate as aforesaid except to the extent the particulars conform to the requirements of sub-regulations (2), (3), (4) and (5) of regulation 65; and

(c) correct any manifest errors that may have come to his notice.

(4) The particulars required to accompany the final list of nominations, as aforesaid shall prominently indicate that they have been compiled, prepared and presented on the basis of particulars furnished by the candidates under sub-regulations (2), (3), (4) and (5) of regulation 65 and that no responsibility is accepted by the Returning Officer as to the correctness of the said particulars.

71. Death or cessation of membership of a candidate

If a contesting candidate dies or otherwise ceases to be a member before the date of declaration of the results of election, the election for the respective regional constituency shall be conducted amongst the remaining candidates belonging to the regional constituency and no fresh proceedings with reference to the election of members in that regional constituency shall be commenced.

72. Candidates deemed to be elected if their number is equal to or less than the number of members to be elected

(1) Where the number of contesting candidates from any regional constituency is equal to or less than the number of persons to be elected from that constituency becomes equal to or less than the number of persons to be elected from that constituency by reasons of the death or cessation of membership of one or more candidates before the date of declaration of the results of election, the remaining candidates shall be deemed to be elected and the Returning Officer shall declare all such candidates as duly elected.

(2) Where the number of candidates elected under sub-regulation (1) from a regional constituency is less than the number of persons to be elected from the regional constituency, the Council may, at the first meeting held immediately following the election or thereafter, recommend a panel of Fellow members from that regional constituency for nomination by the Central Government under section 11 of the Act.

73. System of election and manner of voting

(1) The elections to the Council shall be held in accordance with the system of proportional representation by means of a single transferable vote.

(2) Except as otherwise provided, at every election where a poll is taken, vote shall be given by secret ballot and every voter in any election, shall cast his vote personally in the booth provided for the purpose, unless a voter is allowed in respect of any election to cast his vote by post as hereinafter provided.

74. Polling booths

The Council shall specify for each election the number of voters necessary for setting up of a polling booth and the Returning Officer shall accordingly set up such number of polling booths as required provided the voters' professional addresses given in the list of members eligible to vote were not beyond a radius of sixteen kilometers from the polling booth allotted.

75. Polling Officer

The Returning Officer shall appoint a Polling Officer for each polling booth who should always be a government official and may also appoint such other persons as he may deem necessary to assist the Polling Officer. The Polling Officer shall in addition to performing any other duties imposed upon him by these regulations be in general incharge of all arrangements at the polling booth and may issue orders as to the manner in which persons shall be admitted to the polling booth and generally for the preservation of peace and order at or in the vicinity of the polling booth.

76. Secret Chamber and ballot paper

There shall be a secret chamber or chambers in each polling booth and such chamber shall be so arranged that where a voter records his vote on the ballot paper, no other person(s) can see how he has voted.

77. Identification of Voters

(1) Every person claiming to be a voter shall be required to sign against his name in the copy of the list of members eligible to vote as provided by the Returning Officer and his signature shall be verified by the Polling Officer with the specimen signature provided by the Returning Officer.

(2) At any time before a ballot paper is delivered to a person claiming to be a voter, the Polling Officer may, of his own accord, if he has reason to doubt the identity of the person or his right to vote at the polling booth, or if his specimen signature is not available with the Polling Officer, and shall, if so required by a candidate or his authorised representative, satisfy himself in any manner as he may deem advisable as to his identity or his right to vote.

(3) If the Polling Officer is not satisfied as to the identity of the person claiming to be a voter, he may issue a ballot paper to such person(s) but instead of getting the ballot paper inserted in the ballot box, he shall place the same in a separate sealed cover superscribed as "Tendered Ballot" and send it to the Returning Officer, alongwith a letter from the person concerned, together with his own observations thereon, for the decision of the Returning Officer which shall be final and conclusive.

(4) In deciding the right of a person to obtain a ballot paper under this regulation, the Polling Officer at any polling booth may interpret any entry in

the list of members eligible to vote so as to overlook merely clerical or printing error, provided that he is satisfied that such person is identical with the voter to whom such entry relates.

78. Records to be kept by Polling Officer

The Polling Officer shall at the time of delivery of the ballot paper place against the name of the voter in the list of members eligible to vote a mark to denote that the voter has received a ballot paper. He shall also keep a record of the ballot papers supplied to the voters in such manner as the Returning Officer may direct.

79. Manner of recording of vote after receipt of ballot paper

(1) On receiving the ballot paper, the voter shall forthwith proceed into the secret chamber set apart for the purpose and shall record his votes on the ballot paper in the manner specified in regulation 86. He shall thereafter fold the ballot paper, leave the secret chamber and insert the ballot paper in the ballot box provided for the purpose in the presence of the Polling Officer.

(2) The ballot box should be so constructed that a ballot paper can be inserted there into during the polling but cannot be withdrawn therefrom without the box being unlocked and the seals being broken.

80. Return of ballot paper by a voter

(1) If a voter after obtaining a ballot paper for the purpose of recording his vote(s) decides not to use the same, he shall return the ballot paper to the Polling Officer and the ballot paper as returned shall then be marked as "Cancelled-Returned" and kept in a separate envelope set apart for the purpose and a record shall be kept by the Polling Officer of all such ballot papers.

(2) If any ballot paper which has been issued to a voter for the purpose of recording his vote, is found left by the voter at the secret chamber, at the end of the day when the Polling Officer inspects the secret chamber whether the vote has been recorded in it or not, it shall be dealt with in accordance with the provisions of sub-regulation (1) as if it had been returned to the Polling Officer.

81. Procedure at the polling booth

(1) A polling booth shall be kept open on the day or days appointed for taking of poll from 9 A.M. to 4 P.M. unless otherwise directed by the Council.

(2) If the polling at any polling booth cannot take place on the day or days appointed for the purpose or is interrupted or obstructed by any sufficient cause or the ballot box used at the booth is tampered with or is accidentally or deliberately destroyed, lost or damaged, the Returning Officer or the Polling Officer, as the case may be, may adjourn the polling to a subsequent date or the Returning Officer may declare the polling at the booth as void and order a fresh polling.

(3) If a polling is adjourned or declared void under sub-regulation (2), the Returning Officer shall, as soon as possible, appoint the place where the polling shall be subsequently conducted and the time, date or dates, as the case may be, for the said polling.

(4) The place, date or dates and the time of polling, appointed under sub-regulation (3), shall be notified individually to all the voters affected and, if possible, in the Journal.

(5) The Returning Officer shall not proceed to count the votes cast at the election until the polling at all the polling booths in the constituency has been completed.

(6) The Polling Officer shall close the polling booth at the end of the day, or if the polling is for more than one day, at the end of each day, at the hour appointed under sub-regulation (1), and no voter shall be admitted thereto after that hour :

Provided that any voter present in the polling booth before it is closed, shall be entitled to cast his vote.

(7) The Polling Officer shall, as soon as practicable, after the close of the polling or after its close on each day, if the polling is for more than one day, in the presence of any candidate(s) or their authorised representatives who may be present, seal the ballot box with his own seal and the seals of such candidates or authorised representatives as may desire to affix their seals thereon.

(8) The Polling Officer shall also make into separate packets :

- (i) the unused ballot papers;
- (ii) the returned and cancelled ballot papers;
- (iii) the signed copy of the list of members eligible to vote; and
- (iv) any other paper directed by the Returning Officer to be kept in a sealed cover,

and seal each such packet with his own seal and the seals of such candidates or authorised representatives as may desire to affix their seals thereon. He shall arrange for the safe custody of the ballot box and such packets.

(9) Where the polling is arranged to take place for more than one day, just before the polling booth is opened to the voters on the following day, the Polling Officer shall, in the presence of any candidate(s) or their authorised representatives who may be present, remove the seal or seals affixed in accordance with sub-regulations (7) and (8), after the seals are examined by him and by the candidate(s) or authorised representatives, for use during the course of that day.

(10) The ballot box and packets, referred to earlier shall be accompanied by an account of ballot papers showing the total number of ballot papers received, issued and un-used, returned, as also the number of

ballot papers which should be found in the ballot box and packets. This account shall be forwarded to the Returning Officer.

82. Transport of ballot papers and their custody

The Returning Officer and the Polling Officers shall make adequate arrangements for safe custody of the ballot papers and for safe transport to the headquarters of the Institute of all packets or boxes and other papers referred to in regulation 81. The Returning Officer shall also be responsible for their safe custody until the commencement of counting of votes.

83. Voting by members employed on duty at polling booths

The Polling Officers, the persons appointed by the Returning Officer to assist the Polling Officer, or the authorised representatives referred to in regulation 87D who are voters for any constituency and who by reason of their being on duty at a polling booth, are unable to be present and to vote at the polling booth where they are entitled to vote, may send to the Returning Officer, so as to reach him at least thirty days before the date fixed for the poll at that constituency, an application for permission to vote at the polling booth where they will be on duty. If the Returning Officer is satisfied that the claim is just, he may, notwithstanding anything contained in this Chapter, allow the application and permit the voter to vote at the polling booth where he will be on duty to act as Polling Officer or to assist the Polling Officer or as authorised representative of a candidate :

Provided that such permission shall not be granted to more than one authorised representative of a candidate in respect of each polling booth, such authorised representative being specifically nominated for the purpose by the candidate himself.

84. Eligibility to vote by Post

(1) A member whose name is included in the list of members eligible to vote published under the provisions of regulation 63 and whose name is not shown under any polling booth, shall notwithstanding anything contained in this Chapter, be entitled to vote by post.

(2) A member who is entitled to vote at a polling booth may be permitted at the discretion of the Returning Officer, to vote by post, if he is unable to exercise his vote at the polling booth allotted to him by reason of :—

- (a) there being a permanent change in his address from the address published in the list of members eligible to vote to another village, town or city beyond a radius of sixteen kilometers;
- (b) his professional address being beyond a radius of sixteen kilometers from the polling booth allotted to him; or
- (c) his suffering from any permanent infirmity.

(3) In a case where even though there has been no permanent change in his professional address, a

member has intimated to the Returning Officer that he would not be in a position to cast his vote at the polling booth allotted to him as he expects to be away from his professional address on the date or dates of polling, he may be permitted, at the discretion of the Returning Officer, to receive the ballot paper by post and allowed to cast the same at any polling booth, subject to such requirements as may be specified by the Council in this behalf.

(4) A member who is actually residing beyond a radius of sixteen kilometers from the polling booth allotted to him on the basis of his professional address may at the discretion of the Returning Officer also be given the concession provided in sub-regulation (2), on the same terms and conditions.

(5) A member who is residing outside India shall notwithstanding anything contained in this Chapter be eligible to vote by post provided that his overseas address is registered with the office of the Institute at least sixty days before the date of election. Such a member need not send an application under sub-regulation (6).

(6) An application in the appropriate form with proper verification of the contents of the application by the member concerned, should be sent to the Returning Officer by name so as to reach him at least sixty days before the date of polling, and an application not received within the time specified shall not be considered.

(7) A member who has been permitted to vote by post while sending the ballot paper to the Returning Officer shall send alongwith it a declaration in the appropriate form specified for the purpose.

(8) Any misuse of the concession granted under this regulation or any mis-statement, false declaration or false verification in this behalf shall render the member concerned liable for disciplinary action under regulation 87W.

(9) The Returning Officer shall postpone the conduct of poll at any polling booth for reasons to be recorded in writing.

85. Eligibility to vote at polling booth by a voter entitled to vote by Post.

A voter entitled to vote by post under regulation 84 may, however, be allowed by the Returning Officer to vote in person at any particular polling booth to be specified by him within his regional constituency, provided he makes an application to that effect in writing duly addressed and forwards it to the Returning Officer by name by registered post so as to reach him at least forty-five days before the date of polling and an application not received within the time specified shall not be considered.

86. Admissible number of votes to each voter and method of voting.

Each voter shall have one vote only but he shall have as many preferences as there are candidates. The voter in order to cast his vote—

- (a) shall place on the ballot paper the number 1 (in Arabic or Roman numerals or in

words) in the square opposite the name of the candidate whom he chooses for his first preference; and

- (b) may, in addition, place on his ballot paper the number 2 or the numbers 2 and 3 or numbers 2, 3 and 4 (in Arabic or Roman numerals or in words) and so on, in the squares opposite the names of the other candidates in the order of his preference.

87. Ballot paper

The ballot paper shall contain the names of all contesting candidates for the constituency in alphabetical order in English and shall bear the emblem of the Institute.

87A. Returning Officer to send ballot papers by post where applicable under regulation 84.

Not less than twenty-one days before the last date fixed for the receipt of ballot papers by post in the headquarters, the Returning Officer shall cause to be sent by recorded delivery post to each voter entitled or permitted to vote by post a ballot paper with instructions as to the manner in which the vote shall be recorded therein, an outer envelope for return of the ballot paper and an inner envelope to enclose the ballot paper specifying the date by which the ballot paper should reach the Returning Officer by name.

87B. Procedure for return of ballot papers by Post

(1) Every voter referred to in sub-regulation (1), (2), (4) or (5) of regulation 84 shall record his vote personally in the ballot paper, fold and place it inside the inner envelope provided for that purpose, close the envelope by pasting and append his signature on the envelope at the place provided for that purpose.

(2) A voter is required to send a signed declaration in the appropriate form of having complied with the sub-regulation (1) personally.

(3) The voter shall place the closed and signed inner envelope in the outer envelope prepared for sending by ordinary post, close and paste the outer envelope, put the membership number, name and signature on it on the space provided for that purpose, and post it, so as to reach the Returning Officer not later than the last date specified for receipt of ballot papers from voters by post under regulation 59.

(4) A voter may, at his option forward the ballot paper by registered post.

87C. Issue of undelivered and fresh ballot papers

Where a ballot paper and the accompanying material sent by post under regulation 87A, are damaged in transit or lost or for any reason returned undelivered or not received by a voter, the Returning Officer may, if he is satisfied with the reasons given for such damage, loss, return or non-receipt, reissue them by registered post or deliver them or cause them to be delivered to the voter, as the case may be, on his applying for the same in writing.

87D. Presence of candidates or their authorised representatives at a polling booth or at the place of counting of votes :

A contesting candidate shall be entitled to be present in person or to be represented by another member duly authorised by him in writing at any polling booth in the relevant regional constituency or the place of the counting of the votes, provided that a letter of authority is deposited with the Polling Officer or the Returning Officer before the time fixed for polling or for counting of votes, as the case may be, and that officer is satisfied as to the genuineness of the letter of authority and the identity of the authorised representative.

87E. Appointment of assistants and scrutineers

(1) The Returning Officer may appoint such persons as he thinks fit to assist him for any purpose in the conduct of election.

(2) The Returning Officer may also appoint a panel of two or more persons who are neither members of the Council nor candidates for election, to act as scrutineers of the ballot papers and to assist him generally in the counting of votes.

87E. Intimation of place, time and date for counting of votes;

The Returning Officer shall at least fifteen days before date or the first of the dates of polling, intimate in writing to all contesting candidates the date and time at which the counting of votes shall commence at the headquarters of the Institute.

87G. Definitions.—In this Chapter unless the context otherwise requires :

- (i) "continuing candidate" means any candidate not rejected and not excluded from the poll at any given time;
- (ii) "count" means —
 - (a) all the operations involved in the counting of the first preferences recorded for candidates ; or
 - (b) all the operations involved in the transfer of the surplus of an elected candidate; or
 - (c) all the operations involved in the transfer of the total value of votes of an excluded candidate ;
- (iii) "exhausted paper" means a ballot paper on which no further preference is recorded for a continuing candidate, provided that a paper shall also be deemed to have become exhausted whenever—
 - (a) the names of two or more candidates, whether continuing or not, are marked with the same figures and are next in order of preference ; or
 - (b) the name of the candidate next in order of preference, whether continuing or not, is

marked by a figure (number) not following consecutively after some other figure on the ballot paper or by two or more figures ,

- (iv) "first preference" means the figure (number) 1 set opposite the name of a candidate; "second preference" means the figure 2 set opposite the name of a candidate; "third preference" means the figure 3 set opposite the name of a candidate, and so on;
- (v) "original vote" in relation to any candidate, means a vote derived from a ballot paper on which a first preference is recorded, for such candidate;
- (vi) "surplus" means the number by which the value of the votes, original and transferred, of any candidate exceeds the quota;
- (vii) "transferred vote", in relation to any candidate, means a vote, the value or the part of the value of which is credited to such candidate and which is derived from a ballot paper on which a second or a subsequent preference is recorded for such candidate; and
- (viii) "unexhausted paper" means a ballot paper on which a further preference is recorded for a continuing candidate.

87II. Counting of votes received by post :

(1) On the date and at the time and place intimated under regulation 87F, the Returning Officer shall, for the purpose of counting of votes in respect of a regional constituency, first deal with the postal ballot papers relating to that constituency in the manner hereinafter provided.

(2) The Returning Officer shall allow the candidates or their authorised representatives present at the counting a reasonable opportunity to inspect the covers containing the ballot papers received by post for satisfying themselves that they are in order but shall not allow them to handle those covers.

(3) No cover containing a postal ballot paper received by the Returning Officer after the expiry of the time fixed in that behalf or received by him from a voter whose name has been removed from the register of members on or before the date of poll shall be opened and no vote contained in any such cover shall be counted.

(4) The other covers shall then be taken up by the Returning Officer one by one and as each outer cover is taken up, the Returning Officer shall first scrutinise the signature of the voter on that cover in the space provided for that purpose.

(5) No outer cover on which the signature of the voter is not appended shall be opened and no vote contained in any such cover shall be counted.

(6) As each outer cover which contains the signature of the voter is opened, the Returning Officer shall satisfy himself that the declaration contained therein has been duly made and signed by the voter.

(7) If the said declaration by the voter is not found or has not been duly made or signed by him or is otherwise substantially defective or any paper other than the inner cover and the ballot paper is found, the Returning Officer shall reject his ballot paper and make appropriate endorsements on the outer and inner covers and on the ballot paper if it is found without the inner cover.

(8) The inner cover or the ballot paper so endorsed shall be replaced in the outer cover and all such covers shall be kept in a separate packet which shall be sealed and on which the name of the regional constituency, the date of counting and a brief description of its contents shall be recorded.

(9) The inner covers not already dealt with under the foregoing provisions of this regulation shall then be opened one after the other and the Returning Officer shall take out the ballot paper from each cover and shall record the number thereof in a statement and shall make a separate packet of these ballot papers.

87 I. Scrutiny and opening of ballot boxes

(1) The Returning Officer shall thereafter deal with the ballot papers contained in the ballot boxes in the manner hereinafter provided.

(2) Before any ballot box is opened, the Returning Officer shall allow the candidates or their authorised representatives present at the counting, a reasonable opportunity to inspect the ballot boxes and packets received from the Polling Officers and the seals thereof for satisfying themselves that they are in order, but shall not allow them to handle those ballot boxes or packets.

(3) The Returning Officer shall also satisfy himself that none of the ballot boxes is in fact tampered with and if he finds that any of the ballot boxes has been tampered with, shall not count the ballot papers contained in such box and shall keep the record of such ballot papers for the purpose of election petition, if any.

(4) The ballot boxes found to be in order shall be opened and the ballot papers shall be taken out from them and shall be counted and the number thereof recorded in a statement.

(5) The ballot papers received by post and kept in a packet referred to in sub-regulation (9) of regulation 87H shall then be mixed with the ballot papers taken out of the ballot boxes and taken up for scrutiny so as to determine their validity or otherwise.

87J Grounds for declaring ballot papers invalid.

A ballot paper shall be invalid —

- (a) if a voter signs his name or writes any word or figure up on (other than those permitted under regulation 86 or makes any mark upon it by which the ballot paper becomes recognisable or by which the voter can be identified;

- (b) if it does not bear the emblem of the institute ;
- (c) if the number 1 is not marked on it ;
- (d) if the number 1 is set opposite the name of more than one candidate ;
- (e) if the number 1 and some other numbers are put opposite the name of the same candidate ;
- (f) if it is unmarked or void for uncertainty ; or
- (g) if it is a spurious ballot paper or is so damaged or mutilated that its identity as a genuine ballot paper cannot be established;

87K. Arrangement of valid ballot papers in parcels

(1) The Returning Officer shall separate the ballot papers which he deems valid from those which he rejects endorsing on each of the latter the word "Rejected" and the ground of rejection.

(2) After rejecting the ballot papers which are invalid, the Returning Officer shall—

- (a) arrange the remaining ballot papers in parcels according to the first preference recorded for each candidate ;
- (b) count and record the number of papers in each parcel and the total number ; and
- (c) credit to each candidate the value of the paper in his parcel.

87L. Ascertainment of quota

Every valid ballot paper shall be deemed to be of the value of one hundred, and the quota sufficient to secure the return of a candidate at the election shall be determined as follows :—

- (a) add the values credited to all the candidates under clause (c) of sub-regulation (2) of regulation 87K;
- (b) divide the total by a number which exceeds by one the number of vacancies to be filled; and
- (c) add one to the quotient ignoring the remainder, if any, and the resulting number is the quota.

87M. General Instruction

In carrying out the provisions of regulations 87N to 87R, the Returning Officer shall disregard all fractions and ignore all preferences recorded for candidate already elected or excluded from the poll.

87N. Candidates with quota elected

If at the end of any count or at the end of the transfer of any parcel or sub-paragraph of an excluded candidate the value of ballot papers credited to a candidate is equal to, or greater than the quota, that candidate shall be declared elected.

870. Transfer of surplus

(1) If at the end of any count the value of the ballot papers credited to a candidate is greater than the quota, the surplus shall be transferred in accordance with the provisions of this regulation, to the continuing candidates indicated on the ballot papers of that candidate as being next in order of the elector's preference.

(2) If more than one candidate have a surplus, the largest surplus shall be dealt with first and the others in order of magnitude :

Provided that every surplus arising on the first count shall be dealt with before those arising on the second count and so on.

(3) Where there are more surpluses than one to distribute and two or more surpluses are equal, regard shall be had to the original votes of each candidate and the candidate for whom most original votes are recorded shall have his surplus first distributed; and if the values of their original votes are equal, the Returning Officer shall decide by lot which candidate shall have his surplus first distributed.

(4)(a) If the surplus of any candidate to be transferred arises from original votes only, the Returning Officer shall examine all the papers in the parcel belonging to that candidate, divide the unexhausted papers into sub-parcels according to the next preferences recorded thereon and make a separate sub-parcel of the exhausted papers.

(b) He shall ascertain the value of the papers in each sub-parcel and of all the unexhausted papers.

(c) If the value of the unexhausted papers is equal to or less than the surplus, he shall transfer all the unexhausted papers at the value at which they were received by the candidate whose surplus is being transferred.

(d) If the value of the unexhausted papers is greater than the surplus he shall transfer the sub-parcels of unexhausted papers and the value at which each paper shall be transferred shall be ascertained by dividing the surplus by the total number of unexhausted papers.

(5) If the surplus of any candidate to be transferred arises from transferred as well as original votes, the Returning Officer shall re-examine all the papers in the sub-parcel last transferred to the candidate, divide the unexhausted papers into sub-parcels according to the next preferences recorded thereon, and then deal with the sub-parcels in the same manner as is provided in the case of sub-parcels referred to in sub-regulation (4).

(6) The papers transferred to each candidate shall be added in the form of a sub-parcel to the papers already belonging to such candidate.

(7) All papers in the parcel or sub-parcel of an elected candidate not transferred under this regulation shall be set apart as finally dealt with.

87P. Exclusion of candidates lowest on the poll

(1) If after all surpluses have been transferred as hereinbefore provided, the number of candidates elected is less than the required number, the Returning Officer shall exclude from the poll the candidate lowest on the poll and shall distribute his unexhausted papers amongst the continuing candidates according to the next preferences recorded thereon and any exhausted paper shall be set apart as finally dealt with.

(2) The papers containing original votes of an excluded candidate shall first be transferred, the transfer value of each paper being one hundred.

(3) The papers containing transferred votes of an excluded candidate shall then be transferred in the order of the transfers in which and at the value at which, he obtained them.

(4) Each of such transfer shall be deemed to be a separate transfer but not a separate count.

(5) If, as a result of the transfer of papers, the value of votes obtained by a candidate is equal to or greater than the quota the count then proceeding shall be completed but no further papers shall be transferred to him.

(6) The process directed by this rule shall be repeated on the successive exclusions one after another of the candidates lowest on the poll until such vacancy is filled either by the election of a candidate with the quota or as hereinafter provided.

(7) If at any time it becomes necessary to exclude a candidate and two or more candidates have the same value of votes and are the lowest on the poll regard shall be had to the original votes of each candidate and the candidate for whom fewest original votes are recorded shall be excluded and if the values of their original votes are equal the candidate with the smallest value at the earliest count at which these candidates had unequal values shall be excluded.

(8) If two or more candidates are lowest on the poll and each has the same value of votes at all counts the Returning Officer shall decide by lot which candidate shall be excluded.

870. Filling the last vacancies

(1) When at the end of any count the number of continuing candidates is reduced to the number of vacancies remaining unfilled the continuing candidates shall be declared elected.

(2) When at the end of any count only one vacancy remains unfilled and the value of the papers of some one candidate exceeds the total value of the papers of all the other continuing candidates together with any surplus not transferred that candidate shall be declared elected.

(3) When at the end of any count only one vacancy remains unfilled and there are only two continuing candidates and each of them has the same

value of votes and no surplus remains capable of transfer, the Returning Officer shall decide by lot which of them shall be excluded; and after excluding him in the manner aforesaid, declare the other candidate to be elected.

87R. Provision for re-counts

(1) Any candidate or, in his absence his authorised representative may, at any time during the counting of the votes either before the commencement or after the completion of any transfer of votes (whether surplus or otherwise) request the Returning Officer to re-examine and re-count the paper of all or any candidates (not being papers set aside at any previous transfer as finally dealt with) and the Returning Officer shall forthwith re-examine and re-count the same accordingly.

(2) The Returning Officer may in his discretion re-count the votes either once or more than once in any case in which he is not satisfied as to the accuracy of any previous count :

Provided that nothing in this sub-regulation shall make it obligatory on the Returning Officer to recount the same votes more than once.

87S. Declaration of results

The names of the candidates elected shall be declared on the date fixed for declaration of results and shall be communicated individually to all the candidates who stood for election by registered post and shall also be notified in the Journal.

87T. Election not to be invalid due to accidental omission etc.

No election shall be deemed to be invalid merely by reason of any accidental irregularity or informality in the conduct of the election, including accidental omission to send or delay in sending the voting paper to a voter or the accidental non-receipt of, or delay in receipt of a voting paper, by a voter.

87U. Decision of the Returning Officer to be final

The decision of the Returning Officer pertaining to conduct of election shall, subject to regulation 87V, be final not only in respect of all matters concerning the interpretation of these regulations but also in respect of the procedures adopted and not specifically covered by these regulations.

87V. Dispute on election matters

(1) An application by any aggrieved candidate against the decision of the panel on the validity of nominations or the Returning Officer on the declaration of election results, or any other matter relating to or incidental thereto, which is material to the conduct of election shall be made to the Council within thirty days from the date of declaration of the results of an election and the Council shall refer the dispute to a Tribunal appointed by the Central Government under sub-section (2) of section 10.

(2) At the time of giving its decision the Tribunal may pass such order as to costs as it may consider appropriate.

(3) If the Tribunal is satisfied that an application made under sub-section (2) of section 10 was frivolous or not founded on any valid ground, it may award costs to the Council.

87W. Disciplinary action against members in connection with the conduct of election

(1) A member shall be liable to disciplinary action by the Council if, in connection with an election to the Council of the Institute, he is found to have contravened the provisions of all or any of the clauses (a), (b), (c), (d), (e) or (f) of sub-regulation (2).

(2) A candidate can issue one circular letter giving positive aspects of his candidature including his qualifications and contributions to the profession. The circular issued in connection with an election to the Council shall conform to the following requirements or guidelines as may be issued by the Council in respect of the election in the interest of maintaining dignity in the election, namely :—

- (a) such circular must be sent by registered post by the candidate to the Secretary by name for information and record within ten days of its issue by him to voters;
- (b) the circular shall contain factual information regarding the candidate himself and shall not make any reference directly or indirectly, to any other candidate;
- (c) the information which a candidate may furnish in circular regarding himself shall not differ in any material respect from the information furnished by the candidate to the Institute;
- (d) a circular shall not contain any appeal to the voters on the basis of caste, or on communal, regional or sectional lines;
- (e) the distribution of circular shall be restricted only to the members of the constituency concerned;
- (f) a circular shall be issued by a candidate only after his nomination has been accepted.

Explanation

For the purpose of this sub-regulation, the term "Circular" does not include a personal letter addressed to an individual which happens to contain a mere request for vote though if a similar letter were to be sent to a number of voters, it would amount to "Circular".

(3) A member shall be liable to disciplinary action by the Council, if he adopts one or more of the following practices with regard to the election to the Council, namely :—

- (a) bribery, that is to say, any gift, offer or promise of any gift or gratification to any person, by a candidate or any other person with his connivance with the object, directly or indirectly, of
 - (i) inducing a member to stand or not to stand as a candidate for election;
 - (ii) inducing a candidate to withdraw his candidature or rewarding such withdrawal; or
 - (iii) inducing a voter to vote or not to vote at an election, or as a reward for such act or omission.

Explanation

For the purpose of this sub-regulation, the term "gratification" is not restricted to pecuniary gratification or gratification estimable in money, and it includes all forms of entertainment and all forms of employment for reward, but it does not include the payment of any expenses bona fide incurred at or for the purpose of any election;

- (b) undue influence, that is to say, any direct or indirect interference or attempt to interfere on the part of a candidate or of any other person, with his connivance with the free exercise of any electoral right;
- (c) the publication by a candidate or by any other person with his connivance, of any statement which is false or which he either believes to be false or does not believe it to be true, in relation to the personal character or conduct of any candidate, or in relation to the candidature or withdrawal of any candidate, being a statement reasonably calculated to prejudice the prospects of that candidate's election;
- (d) the obtaining or procuring or abetting, or attempting to obtain or procure, by any other person with his connivance, any assistance for the furtherance of the prospects of the candidate's election from any person serving under the Government of India or the Government of any State other than the giving of vote by such person, if he is a member entitled to vote;
- (e) any act specified in sub-regulations (a) to (d) when done by a member who is not a candidate or a member acting with the connivance of a candidate;

- (f) the receipt by a member or an agreement by a member to receive any gratification as an inducement or reward
 - (i) for standing or not standing as a candidate;
 - (ii) for withdrawing his candidature;
 - (iii) for himself or any other person for voting or refraining from voting;
 - (iv) for inducing or attempting to induce any voter to vote or to refrain from voting; or
 - (v) for inducing or attempting to induce any candidate to withdraw his candidature.
- (g) contravention or misuse of any of the provisions of this Chapter or making of any false statement knowing it to be false or without knowing it to be true, while complying with any of the provisions of this Chapter".

10. In Chapter XII, for sub-regulation (2) of regulation 114 of the said regulations, the following shall be substituted, namely:—

"(2) Notwithstanding anything contained in regulation 87P as applied by sub-regulation (1) to elections to the Regional Council, the Returning Officer—

- (a) shall not exclude from the poll a candidate lowest on the poll at any stage in the counting of votes—
 - (i) if he is a candidate from a State or Union territory which has one or more reserved seats under sub-regulation (1) of regulation 115; and
 - (ii) either he is the sole continuing candidate from that State or Union Territory or the number of continuing candidates including him from that State or Union Territory is equal to or less than the number of seats reserved for that State or Union territory;
- (b) shall exclude the next lowest candidate on the poll and if in the case of that candidate also the provisions of clause (a) are applicable such next candidate lowest on the poll in whose case the said provisions of clause (a) are not applicable;
- (c) shall declare candidate or candidates not so excluded from the poll either under clause (a) or clause (b) as elected and

shall proceed with the counting for filling the seats remaining to be filled”.

11. In regulation 116 of the said regulations, in the second proviso to sub-regulation (1), for the words “on the date of counting of votes”, the words “on the date of poll” shall be substituted.

12. For sub-regulation (2) of regulation 116 of the said regulations, the following shall be substituted, namely :—

“(2) Every candidate standing for election to the respective Regional Council shall, alongwith the nomination papers pay at the headquarter office a fee of not exceeding Rs. 500 as may be notified by the Council before each election in cash or by demand draft which shall not be refundable under any circumstances except in the event of the rejection of his nomination”.

13. In sub-regulation (4) of regulation 117 of the said regulations, after the words “If a member of the Regional Council”, the following words shall be inserted, namely :—

“including a member of the Council becoming a member of the Regional Council under clause (a) of sub-regulation (2) of regulation 111”.

14. In regulation 167 of the said regulations, in the first proviso, for the words, brackets and figures “sub-regulation (2) of regulation 61”, the words, brackets and figures “sub-regulation (1) of regulation 62”, shall be substituted.

By Order of the Council

T. P. SUBBARAMAN, Secy.